JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY
JODHPUR

2016 - 2021

3.6.1 Extension activities in the neighbourhood community in terms of impact and sensitising students to social issues and holistic development during the last five years.

ANANDAM

बेहतर नागरिक बनाने के लिए जेएनवीयू में 'आनंदम्' पाठ्यक्रम शुरु

पढ़ाई के साथ अब पहले साल के हर सेमेस्टर में छात्रों को करना होगा 64 घण्टे का सोशल वर्क

विश्वविद्यालय की ओर से सत्र 2020-21 में प्रवेशित प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त एक अच्छे नागरिक बनाने के उद्देश्य से आनन्द आधारित शिक्षा आनंदम् कोर्स शुरू किया गया है। विद्यार्थियों को प्रति सेमेस्टर 64 घंटे तक सामाजिक कार्य करने की फाइल, फोटोग्राफ सबमिट करनी अनिवार्य होगी। जिस के आधार पर विद्यार्थी को ग्रेड प्रदान किए जाएंगे। इस कोर्स के तहत मूल कर्त्तव्य को जानने एवं उनकी पालना करने की शिक्षा दी जायेगी। इसके अलावा समाज के लिए जीने, आमजन, गरीबों और बेसहारा की मदद करने की शिक्षा दी जाएगी। इसके लिए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को दो सेमेस्टर में प्रति सेमेस्टर 64 घंटे का सामाजिक कार्य कर उसकी फाईल तैयार करनी होगी।

विवि को विद्यार्थी से अपेक्षा है –

- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करना होगा।
- इस सेवा के कार्य को अपने निर्धारित रजिस्टर या व्यक्तिगत डायरी में नोट करना होगा।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटे का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे।
- आनंदम् प्लेटफार्म पर सामूहिक प्रोजेक्ट की रिपोर्ट अपलोड करना।
- प्रत्येक महीने में एक बार सामूहिक सेवा पर आयोजित होने वाली चर्चा में भाग लेना व प्रस्तुतिकरण करना।
- सत्र समाप्ति का अंत विद्यार्थी को कुछ ना कुछ दान देकर करना होगा।

विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य – प्रो. शेरॉन

(आनंदम् पाठ्यक्रम का आरिएंटेशन कार्यक्रम)

माननीय कुलपति प्रो पी सी त्रिवेदी के निर्देशानुसार 12 फरवरी को आनंदम् पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम् के उद्देश्यों को समझा और इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष और आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की ऊर्जा है । हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं। इसलिए सभी में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। आज

समाज में चारों और अलगाव और बिखराव बढ़ रहा है। ऐसे में सब अपने अपने तक सीमित हो रहे हैं। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में युवाओं में कुछ देने का भाव जागृत करने तथा उन्हें अच्छे कार्य करने के लिए प्रेरित और संस्कारित करने के लिए ही आनंदम् पाठ्यक्रम की रचना की गई है। कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम कल्ला ने आनंदम् पाठ्यक्रम के व्यावहारिक कार्यान्वयन से जुड़े नियमों से अवगत कराया। विश्वविद्यालय में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत ने पाठ्यक्रम के तकनीकी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रारंभ में मनोविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. हेमलता जोशी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. हितेंद्र गोयल ने किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय आनंदम् पाठ्यक्रम कोर कमेटी के सदस्यों प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ.पी . टाक, डॉ.. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. हितेंद्र गोयल, डॉ. ऋषभ गहलोत के अलावा अलग-अलग संकायों के आचार्य एवं शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय से जुड़े संस्थानों के निदेशक शामिल रहे।

आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम् आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी ने अपने उद्‌बोधन में जीवन में सकारात्मकता का महत्त्व बताते हुए विद्यार्थियों को उदारता और दयालुतापूर्ण कार्य करने के लिए मार्गदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक रहना एवं खुशियाँ बांटना ही आनंदम् है। संस्थान निदेशक प्रो. मीना ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता आनंदम् कोर कमेटी की समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन व प्रो. प्रवीण गहलोत थे। प्रो. शेरॉन ने विषय की अवधारणा को स्पष्ट किया और प्रो. प्रवीण गहलोत ने आनंदम् विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हितेन्द्र गोयल ने किया। कार्यक्रम में आनंदम् कोर कमेटी के सदस्य डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. ऋषभ गहलोत व अन्य मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को डायरी में लिखना होगा सेवा कार्य

जेएनवीयू में आनंदम पाठ्यक्रम की कवायद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ युवाओं को जिम्मेदार व सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। आनंदम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विवि ने प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इसमें उनके अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ ओपी टाक, डॉ हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल और डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाएगा। आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/3pSMQW

आनंदम पाठ्यक्रम जेएनवीयू में शुरू

जोधपुर/नवज्योति। युवाओं को जिम्मेदार और सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। राज्य सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के आधार पर व्यास विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम की तैयारियां शुरू कर दी गई है तथा इसके लिए प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी की अब तक दो बैठकें आयोजित की जा चुकी है। इस कमेटी में प्रो. शेरॉन के अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओ पी टाक, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल तथा डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का कार्य करेगी।

राजस्थान पत्रिका
जोधपुर, शनिवार, 06 फरवरी, 2021

दैनिक भास्कर
06 फरवरी 2021

विद्यार्थियों को डायरी में लिखना होगा सेवा कार्य

जेएनवीयू में आनंदम पाठ्यक्रम की कवायद

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ युवाओं को जिम्मेदार व सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से आनंदम कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। आनंदम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विवि ने प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। इसमें उनके अलावा प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ ओपी टाक, डॉ हेमलता जोशी, डॉ नीलम कल्ला, डॉ हितेंद्र गोयल और डॉ ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। कमेटी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस पाठ्यक्रम में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाएगा। आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/3pSMQW

जेएनवीयू : 'आनंदम' कोर्स शुरू

जोधपुर. युवाओं को जिम्मेदार और सेवाभावी नागरिक बनाने और उनमें समाज को कुछ देने का भाव जागृत करने के लिए अकादमिक सत्र 2020-21 से 'आनंदम' कोर्स शुरू हो गया। इसके लिए प्राणी शास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. विमला शेरॉन की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है। कमेटी की दो बैठकें भी हो चुकी हैं। कमेटी में प्रो. प्रवीण गहलोत, डॉ. ओपी टाक, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. नीलम कल्ला, डॉ. हितेंद्र गोयल तथा डॉ. ऋषभ गहलोत को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी हर सेमेस्टर में विद्यार्थियों की इस कोर्स में सहभागिता बढ़ाने का बढ़ाने का कार्य करेगी तथा इससे संबंधित सामग्री तैयार कर विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करेगी। प्रो. शेरॉन ने बताया कि 'आनंदम' कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को प्रतिदिन सेवा और भलाई से जुड़ा कोई कार्य करके उसे अपनी डायरी में लिखना होगा। विद्यार्थियों को अपने कार्य को आनंदम प्लेटफार्म पर प्रदर्शित करने का अवसर भी दिया जाएगा। शेरोन के अनुसार आनंदम कमेटी के सभी सदस्य इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं तथा आगामी दिनों में इससे संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

कला संकाय अधिष्ठाता ने किया पौधरोपण

जोधपुर/नवज्योति। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के योग केन्द्र द्वारा संचालित पी जी डिप्लोमा इन योग शिक्षा पाठ्यक्रम के शिविर में कला संकाय अधिष्ठाता प्रो. के एल रैगर ने योग केन्द्र में वृक्षारोपण किया। प्रो. रैगर ने योग शिक्षा के छात्र-छात्राओं को ध्यान का अभ्यास भी करवाया। कार्यक्रम का संचालन योग केंद्र के निदेशक डॉ. बाबूलाल दायमा ने किया तथा अधिष्ठाता का शिविर में आने पर आभार व्यक्त किया।

'विद्यार्थी जिम्मेदार नागरिक बन करेगा सेवा कार्य'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जोधपुर ◆ जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आनंदम पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सभी विभागों और संकायों के शिक्षकों ने भाग लिया और आनंदम के उद्देश्यों को समझा। साथ ही इसे कार्यान्वित करने की पद्धति को सीखा। कार्यक्रमक में प्राणी शास्त्र विभागाध्यक्ष व आनंदम पाठ्यक्रम कोर कमेटी समन्वयक प्रो. विमला शेरॉन ने कहा कि आनंद जीवन की उर्जा है। हम जीवन कमाते नहीं हैं, इसे परमात्मा के उपहार के रूप में प्राप्त करते हैं इसलिए हममें कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। प्रबंधन विभाग की डॉ नीलम कल्ला, विवि में रूसा के नोडल अधिकारी प्रो. प्रवीण गहलोत, मनोविज्ञान विभाग की डॉ हेमलता जोशी और अंग्रेजी विभाग के डॉ हितेंद्र गोयल ने भी विचार रखे।

खबर को विस्तार से पढ़ें
https://bit.ly/2N1fHJJ

राजस्थान पत्रिका
11 मार्च 2021

सकारात्मक रहना ही आनंदम

जोधपुर @पत्रिका. जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय सायंकालीन अध्ययन संस्थान सभागार में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आनंदम आमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.प्रवीण चंद त्रिवेदी थे।मुख्य वक्ता आनंदम कोर कमेटी की समन्वयक प्रो.विमला शेरॉन व प्रो.प्रवीण गहलोत थे। प्रो.शेरॉन ने विषय के व्यावहारिक पक्ष एवं कार्यविधि पर प्रकाश डाला।

LINKS TO ANANDAM VIDEOS

https://youtu.be/tJIZGkeFD7Y

https://youtu.be/Fye09p4dD48

Mar 14, 2021 · Jodhpur ·

राज्य सरकार द्वारा शुरू किए नए पाठ्यक्रम "आनन्दम" के तहत शनिवार को एमएससी वनस्पति शास्त्र पूर्वार्द्ध के छात्र-छात्राओं ने विभाग के बोटैनिकल गार्डन की साफ-सफाई की। पौधों को पानी दिया एवं अनावश्यक खरपतवार को हटाया, पुरानी - सूखी डालियों की कटाई - छंगाई की । इस सामूहिक गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर आनन्द की अनुभूति होने की बात की। इसी दौरान लिया गया समूह फ़ोटो ।

Anandam- an initiative to instill the joy of giving among the young generation has been included as a **Graded subject** for all First-Year students of UG and PG Courses studying in Jai Narain Vyas University (JNVU) except law students, from academic session 2020-21. Honorable Vice Chancellor Prof. P.C. Trivedi constituted a committee for smooth implementation of course under leadership of Prof. VimlaShereon as Committee Coordinator and Prof. Praveen Gehlot, Prof. O. P. Tak, Dr. Hemlata Joshi, Dr. Hitendra Goyal, Dr. Rishabh Gehlot and Dr. Neelam Kalla as members. The committee followed the program design as per the guidelines of Government of Rajasthan.

Course Objectives:

- **Anandam** is a **subject** that aims to instill the **joy of giving** and sharing among young people through **communityparticipation**, helping them to be responsible citizens and **initiators for a change** in society.
- The faculty will inspire students for **Individual Social Responsibility** and will inculcate the qualities of compassion, an open mind, a willingness to do whatever is needed and positive attitude among students.
- **Imagination and creativity** are to be appreciated.
- An **Aim and Vision** to be developed in students.

In order to pursue this course, students are expected to engage in:

- An individual act of Goodness-Caring, Sharing and Giving (**Time and Energy**) every day.
- Group Activity: A project in service of the local community (**Group Community Service Project**) in collaboration with NGOs.
- The **faculty** (All Anandam Team Members) emphasize **shift in focus** - **Happiness is not acquiring things but permanent happiness comes from giving, sharing and caring for someone.**

Expected Course outcomes:

- Community Service Programs are very effective for **students' personal and social, ethical, and academic development.** These effects depend on the characteristics of the program chosen.
- Involvement of students in community work has as impact on development of student's skills such as **creativity, critical thinking, innovation, passion and positivity.**
- They would examine social challenges and problems, assess the needs of community evaluate previous implemented projects and think of further **solutions**.
- They would learn to **cooperate and collaborate** with other agencies and inculcate leadership qualities.

Activities undertaken for Anandam:

Designing of Implementation Mechanism

Core committee held several meetings and came up with an effective implementation mechanism of Anandam course in the university. Considering the challenges of covid pandemic such as social distancing, uncertain lockdowns, delayed admissions and examinations, the focus for current academic session was to initiate the program effectively and a preparation of a roadmap for future years that has been successfully designed and implemented.

Updating all Information through videos and links on University Website

All the guidelines and proforma for daily Anandam activities and group projects were approved by academic council and updated on university website. Core committee members Dr. Hitendra Goyal and Dr. Neelam Kalla also developed comprehensive videos for faculty members and students for enhanced understanding. Both the videos can be accessed on university website.

Orientation Programs

For developing an understanding of Anandam amongst faculty members and students, a series of orientation programs were conducted by team Anandam.

The first orientation program targeted all the deans of faculties, heads of departments, directors of institutes and Anandam mentors. Afterwards a series of orientation programs was undertaken at different faculty, department or institute level for students.

Memorandum of understanding with Heartfulness Education Trust

Another milestone was signing an MoU between Jai Narain Vyas University, Jodhpur and Heartfulness Education Trust. The above collaboration led to a series of webinars and programs for students for understanding life concepts and skills.

Social Welfare Activities by Students

Students of JNVU various departments under guidance of Anandam core committee and mentors appointed, have undertaken group projects and initiated to maintain Anandam diaries, based on which, they will be graded.

Webinars Under Anandam during Lockdown

During the second wave of Covid pandemic, webinars were organized wherein eminent speakers, spiritual leaders interacted with students and faculty members.

Proposed Future Activities

Anandam Day will be celebrated to mark the achievements and contribution of student during Anandam course.

Constitution of Anandam Core Committee

Sitting (Left To Right) - Dr. O.P. Tak, Prof Praveen Gehlot, Dr. Hemlata Joshi, Prof. Pravin Chandra Trivedi (Vice Chancellor), Prof. Vimla Sheron (Convener Anandam Core Committee), Dr. Hitendra Goyal, Dr. Rishabh Gahlot, Dr. Neelam Kalla

Activities under Anandam: Glimpses

ीन अध्ययन संस्थान
ा व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
आनंदम
खीकरण कार्यक्रम

आनंदम

Understanding Anandam
Press Esc to exit full screen
आनंदम
Exercise in Trusteeship
Act of Community Participation
The Joy of Giving
3:04 / 32:15
Scroll for details

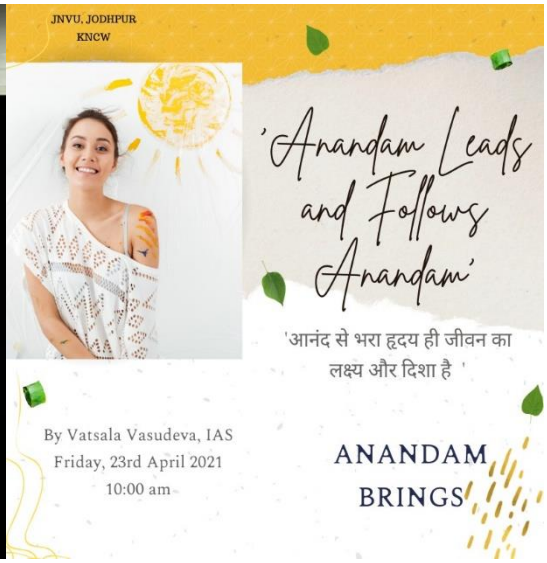
JNVU, JODHPUR
KNCW
'Anandam Leads and Follows Anandam'
'आनंद से भरा हृदय ही जीवन का लक्ष्य और दिशा है '
By Vatsala Vasudeva, IAS
Friday, 23rd April 2021
10:00 am
ANANDAM BRINGS

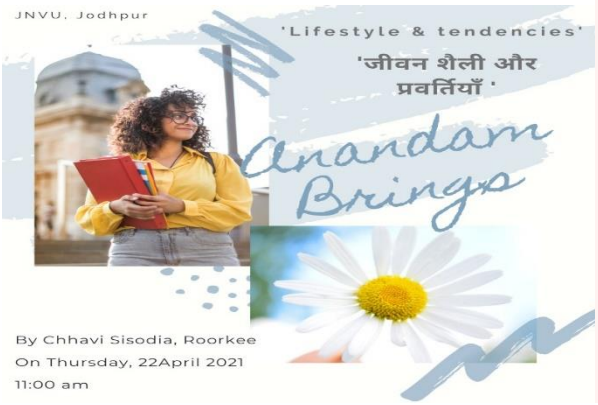
JNVU, Jodhpur
'Lifestyle & tendencies'
'जीवन शैली और प्रवर्तियाँ '
Anandam Brings
By Chhavi Sisodia, Roorkee
On Thursday, 22April 2021
11:00 am

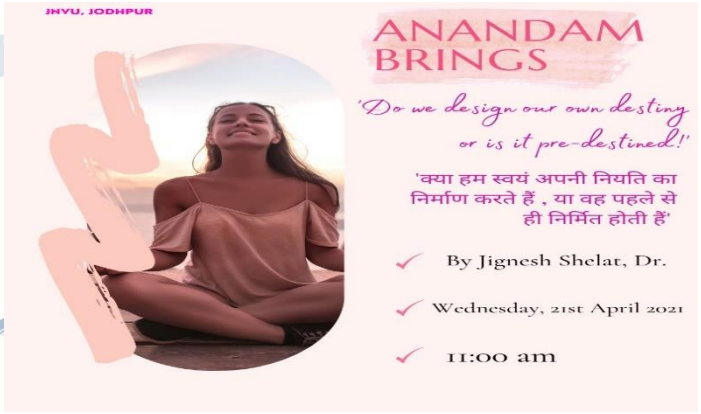
JNVU, JODHPUR
ANANDAM BRINGS
'Do we design our own destiny or is it pre-destined!'
'क्या हम स्वयं अपनी नियति का निर्माण करते हैं , या वह पहले से ही निर्मित होती हैं'
By Jignesh Shelat, Dr.
Wednesday, 21st April 2021
11:00 am

MOU of Jai Narain Vyas University with Heartfulness Trust for Anandam

To,

The Dean of all the faculties, *4thFeb.2021*

Directors of all the Institutes/college

Head of all the departments

Respected Sir/Madam,

Heartiest Greetings!

It is our privilege and honor to share with all of you that ***Anandam Course*** *has been launched in our University and is included in all the first year UG and first semester PG Curriculum from Academic Year 2020-21.*

Fortunately as this is a mandatory course for both 1st year and first semester students, for the smooth conduction of this course with all the humility you all are requested to identify our honorable faculty members of the respective departments for following responsibilities:

- *Mentors (Teachers) for course with a suggestion to maintain a ratio of one faculty member/Mentor for two sections of each class.*
- *A 45-minute slot per week shall be added in the timetable, to be allotted to the respective mentors.*

You are requested to identify mentors before 9th Feb 2021, and kindly circulate following information among the intended:

An Orientation Programme for Anandam Course will be organized on 12th Feb 2021, Friday at 11.30 AM at Brahaspati Bhawan, Central Office, Jai Narain Vyas University, Jodhpur (RAJ). Sir your honour and your team members/Mentors are requested to kindly attend the same.

Thanking you,

With Sincere regards

Dr. Vimla Sheoran

Convener, Anandam

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर

आनंदम् पाठ्यक्रम दैनिक डायरी

संकाय	:	.....
विभाग	:	.....
विद्यार्थी का नाम	:	.....
पिताजी का नाम	:	.....
माताजी का नाम	:	.....
कक्षा / सेमेस्टर	:	.....
एनरोलमेंट नं.	:	.....
मोबाईल नं.	:	.....
ईमेल	:	.....
स्थायी पता	:	.....

.....

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे

भारत – भाग्य – विधाता ।

पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा

द्राविड़, उत्कल, बंग ।

विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा

उच्छल–जलधि तरंग ।

तव शुभ नामे जागे,

तव शुभ आशिष माँगें,

गाहे तव जय गाथा ।

जन–गण मंगलदायक जय हे,

भारत – भाग्य – विधाता ।

जय हे ! जय हे ! जय हे !

जय जय जय जय हे !

विश्वविद्यालय कुलगीत

विद्या शक्तिः समस्तानां, शक्तिः सर्वत्र पूजिता।
अज्ञाननाषिनी विद्या, ज्ञान ज्योतिः प्रकायिशनी।।
..... विद्या मन्दिर मेरा महान्
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय है मेरा महान्
सूर्यनगरी का गौरव विद्या मन्दिर मेरा महान्
भारत भू की पुण्य धरा
मरुभूमि राजस्थान।
जोधपुर संभाग में यह तो
सरस्वती वरदान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।
विधि–विज्ञान–कला–वाणिज्य
बने हैं इसकी शान।
अभियांत्रिकी निराली जिसकी
छवि है श्रेष्ठ प्रमाण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान।।
विश्ववन्द्य विद्वानों ने यहाँ
ज्ञान की ज्योति जलाई।
छात्रवृन्द हैं गौरव इसके
कर्मचारी सब प्राण।।
विद्या मन्दिर मेरा महान्।।
उन्नीस सौ बासठ से इसका
गौरवमय इतिहास

एक बनेंगे नेक बनेंगे
यह संकल्प विधान।।
विद्या मन्दिर मेरा महान, विद्या मन्दिर मेरा महान,
विद्या मन्दिर मेरा महान।।

संविधान–उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व–सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने
के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को,
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, **धर्म**
और उपासना की **स्वतंत्रता,**
प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**
प्राप्त कराने के लिये, तथा उन सब में
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली
बंधुता बढ़ाने के लिये,
दृढ़ संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज
तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी,
संवत दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान**
को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

नागरिकों के मूल कर्तव्य

- संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें,
- स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें,
- भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण रखे,
- देश की रक्षा करें और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करें,
- भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरूद्ध है,
- हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवषाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करें,
- प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्तर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करें और उसका संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें,
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें,
- सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहें,
- व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू ले।
- यदि माता–पिता या संरक्षक हैं, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य के लिये शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

आनंदम् पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के तहत न्यासिता के आधार पर शिक्षा के अन्तर्गत आनंदम् पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवा वर्ग को महत्ती आनंद प्रदान कर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है, जिससे वे सभी तरह के तनावों से मुक्त होकर जीवन का सही अर्थ समझते हुए बेहतर समाज के निर्माण में अपना अनुपम योगदान दे सकें। युवाओं से उम्मीद की जाती है कि वे अपने आपको सेवा और अच्छाई के कार्यों से जोड़ें। इसलिए

- यह पाठ्यक्रम सबके लिए अनिवार्य है,
- प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करें,
- इस सेवा कार्य को वो अपने निर्धारित रजिस्टर/डायरी में संधारित करें, जिसे संस्था द्वारा निर्धारित आनंदम् समय में दूसरों से साझा करें।
- प्रत्येक टर्म में 64 घंटें का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे,
- इसकी समीक्षा संकाय सदस्य (शिक्षक) करेंगे।
- कुछ प्रोजेक्ट व संगठन उल्लिखित किये जायेंगे, जिनके साथ विद्यार्थी काम करेंगे, विद्यार्थी स्वयं भी प्रोजेक्ट प्रस्तावित कर सकते हैं।
- सेवा अवसरों को व्यवस्थित करने हेतु आनलाईन प्लेटफार्म तैयार किया जायेगा।
- संकाय सदस्य प्रोजेक्ट्स पर परामर्श देंगे तथा विद्यार्थियों की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे।

आनंदम् पाठ्यक्रम के ग्रेड का मूल्यांकन O, A, B, C के रूप में विद्यार्थी की अंकतालिका में अंकित किया जायेगा। अच्छे प्रोजेक्ट्स पर पुरस्कृत भी किए जा सकते हैं।

विस्तृत रूप से आनंदम् पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.jnvu.edu.in पर उपलब्ध है।

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	दिनांक	कार्य विवरण	पृष्ठ	विशेष

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर

आनंदम् पाठ्यक्रम के दिशा निर्देश

सत्र : 2020–21

आनंदम् – न्यासिता पर आधारित शिक्षा

1. **कार्यक्रम के उद्देश्य** : आनंदम् पाठ्यक्रम का उद्देश्य युवा वर्ग को आनंद देना है, साथ ही उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना है जिससे वे एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकें। प्रतिदिन के कार्य के आधार पर, यह राजस्थान के महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में सेवा करने की रुचि विकसित करेगा। विद्यार्थियों को यह पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2020–21 से प्रत्येक सेमेस्टर में लेना होगा।

2. **पाठ्यक्रम श्रेणी**
   अनिवार्य

3. **संरचना**

   पाठ्यक्रम के दौरान, विद्यार्थियों से उम्मीद की जाती है कि वे अपने आप को सेवा और अच्छाई के कार्यों में सम्मिलित करेंगे।

4. **विद्यार्थियों से उम्मीद की जाती है कि वे**
   - प्रतिदिन कम से कम सेवा का एक कार्य करेंगे
   - इस सेवा के कार्य को वो अपने निर्धारित रजिस्टर/व्यक्तिगत डायरी में संधारित करेंगे।
   - महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित 30 मिनट आनंदम् समय में इस रजिस्टर/व्यक्तिगत डायरी को साझा करेंगे/बतायेंगे।

- प्रत्येक टर्म में 64 घंटे का एक सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट करेंगे (महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय घंटों के अतिरिक्त)

- आनंदम् प्लेटफार्म पर सामूहिक प्रोजेक्ट की रिपोर्ट अपलोड करेंगे।

- प्रत्येक महीने में एक बार सामूहिक सेवा पर आयोजित होने वाली चर्चा सत्रों में भाग लेंगे व प्रस्तुतीकरण करेंगे।

कुछ प्रोजेक्ट और संगठन उल्लिखित किये जायेंगे जिनके साथ विद्यार्थी कार्य कर सकते हैं। विद्यार्थी स्वयं भी प्रोजेक्ट प्रस्तावित कर सकते हैं जिससे अन्य भी जुड़ सकते हैं।

5. इनपुट

अ. आनंदम् प्लेटफार्म से

- सेवा अवसरों को व्यवस्थित व साझा करने हेतु एक आनलाईन प्लेटफार्म
- उल्लेखित कार्यक्रमों या ऐच्छिक संगठनों की एक सूची
- आनंदम् कार्यक्रम को सुसाध्य बनाने हेतु संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण

ब. महाविद्यालय / विश्वविद्यालय से

- संकाय सदस्य प्रत्येक विद्यार्थी का रजिस्टर या व्यक्तिगत डायरी की समीक्षा/पुनरावलोकन करेंगे कि विद्यार्थी ने उस दिन के अच्छे कार्य को अंकित किया है या नहीं।
- अच्छे कार्य का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा – चाहे यह अंकित किया गया है या नहीं।

- संकाय सदस्य सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट पर परामर्श देंगे। वे आवश्यक संसाधनों के आवंटन का प्रयास करेंगे एवं सामूहिक सेवा प्रोजेक्ट्स को सहयोग प्रदान करेंगे।
- परामर्शदाता नियमित रूप से विद्यार्थी की गतिविधियों का मार्गदर्शन व समीक्षा करेंगे।
- प्रत्येक महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय/शिक्षण संस्था में कार्यक्रम की देखरेख हेतु एक आनंदम् संयोजक होगा।

6. परिणाम

प्रत्येक विद्यार्थी "दान" देने की श्रेणी के साथ सत्र का अंत करेगा। इसमें उनके रजिस्टर/व्यक्तिगत डायरी/सामूहिक सेवा प्रोजेक्टस पर उनकी रिपोर्ट सम्मिलित होगी।

7. पुरस्कार व सम्मान

पुरस्कार व सम्मान प्राप्त करने हेतु, विद्यार्थियों को अपना प्रोजेक्ट कॉलेज, विश्वविद्यालय व राज्य स्तर पर जमा कराने का विकल्प होगा। संबंधित स्तरों पर निर्धारित समिति द्वारा प्रोजेक्ट्स का पुनरावलोकन व मूल्यांकन किया जायेगा। इसी तरह मार्गदर्शक व आनंदम् संयोजक भी विश्वविद्यालय और राज्य स्तर पर इस प्रकार के सम्मान के योग्य होंगे। कृपया पुरस्कार व सम्मान पर विवरण हेतु सारणी 8.1 को देखें।

7.1 मूल्यांकन मैट्रिक्स

प्रत्येक सेमेस्टर के लिये उपलब्ध समय

रजिस्टर/व्यक्तिगत डायरी : कम से कम 32 प्रविष्टियां (40 प्रतिशत) व अधिक से अधिक 80 प्रविष्टियां

प्रोजेक्ट सहभागिता : 2 घण्टे X 8 दिन X 4 महीने = 64 घण्टे

	प्रोजेक्ट 1 (सेमेस्टर 1)	प्रोजेक्ट 2 (सेमेस्टर 2)
	कुल : 64 घंटे ग्रेडिंग = 32 घंटे : C < ग्रेड > 32 < = 44 : B ग्रेड > 44 < = 54 : A ग्रेड > 54 < = 64 : O ग्रेड	कुल : 64 घंटे ग्रेडिंग = 32 घंटे : < C ग्रेड > 32 < = 44 : B ग्रेड > 44 < = 54 : A ग्रेड > 54 < = 64 : O ग्रेड

वार्षिक योजना के लिये उपलब्ध समय (प्रत्येक छह महीने में)

- रजिस्टर / व्यक्तिगत डायरी : कम से कम 32 प्रविष्टियां (40 प्रतिषत) व अधिकतम 80
- प्रोजेक्ट सहभागिता : 2 घण्टे X 8 दिन X 4 महिने = 64 घण्टे
- दोनों प्रोजेक्टस का औसत ग्रेड (छ महीने की अवधि में मूल्यांकन) समान माना जायेगा

	प्रोजेक्ट 1 (6 महीना)	प्रोजेक्ट 2 (6 महीना)

	कुल : 64 घंटे ग्रेडिंग = 32 घंटे : < C ग्रेड > 32 < = 44 : B ग्रेड > 44 < = 54 : A ग्रेड > 54 < = 64 : O ग्रेड	
		ग्रेंडिंग = 32 घंटे : < C ग्रेड > 32 < = 44 : B ग्रेड > 44 < = 54 : A ग्रेड > 54 < = 64 : O ग्रेड

8.1 पुरस्कार और सम्मान

पुरस्कार	स्तर	विवरण
सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट	संकाय / अंतर संकाय / महाविद्यालय / संभाग / राज्य	योग्यता : टीम सदस्य, प्रति सेवा डायरी में 48 प्रविष्टियां + 64 घंटे का प्रोजेक्ट कार्य चुनाव का मानदण्ड – भाग लेने वाले प्रोजेक्ट का पूर्ण मूल्यांकन – प्रोजेक्ट का प्रकार – प्रभावित हुये लोगों की समभाग संख्या – समयावधि के साथ गतिविधियों का

		विवरण – प्रेस / मिडिया प्रकाशन – राज्य स्तर के पुरस्कार के लिये प्रत्येक संस्था द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट का नामांकन
उत्कृष्ट विभाग समन्वयक	राज्य	चुनाव का मानदण्ड • विद्यार्थियों द्वारा भरी गई डायरी का प्रतिशत • स्वैच्छिक घंटे का योगदान देने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत • संस्था में आनंदम् के अन्तर्गत नामांकित विद्यार्थियों की संख्या • परामर्श दिये गये प्रोजेक्ट्स का पूनर्मूल्यांकन • प्रोजेक्ट का प्रकार • प्रभावित हुए लोगों की लगभग संख्या • समयावधि के साथ गतिविधियों

		का विवरण • प्रेस मिडिया प्रकाशन
सर्वश्रेष्ठ संस्था	जिला व राज्य स्तर	चुनाव का मानदण्ड • आनंदम् के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों की संख्या • डायरी/स्वैच्छिक घंटे का योगदान देने वाले विद्यार्थियों का प्रतिशत • लिये गये प्रोजेक्ट का पूनर्मूल्यांकन • प्रोजेक्ट का प्रकार • प्रभावित हुए लोगों की लगभग संख्या • समयावधि के साथ गतिविधियों का विवरण • प्रेस/मिडिया प्रकाशन • आनंदम् प्रोजेक्ट पर खर्च की गयी राशि

JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY
JODHPUR

GUIDELINES FOR ANANDAM COURSE

Session: 2020-2021

Anandam-an exercise in trusteeship

1. **The objective of the program**
   The Anandam program aims to instil the joy of giving in young people, turning them into responsible citizens who will build a better society. Through daily action, it will build the habit of service in students across colleges and Universities in Rajasthan. The students will have to undertake the course each semester starting with the 2020-21 academic year.
2. **Course category**
   Compulsory
3. **Structure**
   Over the course of the year, students will be expected to engage in individual and group acts of service and goodness.
4. **Students will be expected to**
   - Do at least one act of individual service each day
   - Record this act of service in a dedicated Register/Personal Diary (PD) in the format downloaded from the University website.
   - Share this Register/Personal Diary day in the 30-minute Anandam time slot dedicated by the college/University
   - Undertake one group service project for 64 hours every term (outside college/University hours)
   - Upload the report on the group project on the Anandam platform
   - Participate in a sharing and presentation on the group service in the discussion sessions held once a month

[There will be some suggested projects and organizations that students can work with. Students can also suggest their own projects which others can join].

5. **Inputs**

A. From the Anandam platform

- An online platform to manage and share service opportunities
- A list iof suggested programs or volunteering organizations
- Training for faculty members on how to facilitate the Anandam program

B. From the College/University

- Faculty will review every student's Register/PD to see if they recorded an act of goodness for that day
- The act of goodness will not be evaluated – just if it was recorded or not
- The faculty will mentor the group service projects. They will strive to mobilize the required resources and support for the group service projects.
- Mentors to guide and review the student's activities on a regular basis
- There wikll be one Anandam coordinator to monitor the program in every college/university/teaching unit

6. **Outcomes**

Each student will finish the year with a portfolio of giving. This will include their Register/Personal Diaries and their reports on group service projects.

7. **Rewards and Recognition**

The students will get an option to submit their project for the an award and recognition at the college, university, and state-level. The projects will be reviewed and assessed by committees at the respective levels. Similarly, the Mentors and Anandam coordinators too will be eligible for such recognition at the University and State levels. **Please refer to the table 8.1 Rewards and Recognition for details.**

7.1Evaluatin matrix:

Time available per semester:

- Register/Personal Diary: A minimum of 32 entries (40%) and a maximum of 80.
- Project Participation: 2 hours x 8 days x 4 months = 64 hours

	Project 1 (Semester 1)	**Project 2 (Semester 2)**
	Total: 64 hours Grading =32hrs: C grade >32 to <=44: B grade >44 to <=54: A grade >54 to <=64: O grade	
		Total: 64 hours Grading =32hrs: C grade >32 to <=44: B grade >44 to <=54: A grade >54 to <=64: O grade

Time available for the annual scheme (in every six months):

- Register/Personal Diary: A minimum of 32 entries (40%) and a maximum of 80.
- Project Participation: 2 hours x 8 days x 4 months = 64 hours

- An average of grades across both the projects (to be assessed over six months) will be considered for the same.

	Project 1 (Six months)	**Project 2 (Six months)**
	Total: 64 hours Grading =32hrs: C grade >32 to <=44: B grade >44 to <=54: A grade >54 to <=64: O grade	
		Grading =32hrs: C grade >32 to <=44: B grade >44 to <=54: A grade >54 to <=64: O grade

7.1 Rewards and Recognition:

Award	**Level**	**Description**
Best Project	Faculty/Inter Faculty/ Divisional/ State	• Eligibility: Team members: 48 entries in the service diaries each + 64 hours project work *Criteria for selection* • Review of project participated - Type of project - Approximate number of people impacted - Activity details with duration - Press/Media release • Each institution to nominate one best project for the State award
Outstanding Faculty Facilitator/s	State	*Criteria for selection* • Percentage of students filled diary • Percentage of Students contributed volunteer hours • Number of students enrolled from institution under Anandam • Review of project mentored - Type of project - Approximate number of people impacted - Activity details with duration • Press/Media release
Best Institution/s	District and State	*Criteria for selection* • Number of students enrolled under Anandam • Percentage of Students contributed diary/volunteer hours • Review of project undertaken - Type of project - Approximate number of people impacted - Activity details with duration - Press/Media release • Amount spent on Anandam projects

JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY, JODHPUR
(ACADEMIC SECTION)

No.JNVU/Aca/A/20/ 17015 Dated: 23/09/2020

NOTIFICATION

It is hereby notified that the Academic Council in its meeting held on 25.8.2020 vide Res.No.08/2020 has approved the *"Anandam Course"* to be adopted from the Academic Session 2020-2021 in all the Faculties as per the guidelines and contents attached herewith. Kindly ensure implementation of this course as per guidelines.

REGISTRAR

Encl: As above

No.JNVU/Aca/A/20/ 17015 Dated: 23/09/2020

Copy to:-

1. All the Deans / Direcctors
2. All Heads of the Departments
3. The Asstt. Registrar Examination/ Secrecy
4. The Incharge, Online Cell
5. The P. R. O.
6. PS to Vice-Chancellor/Registrar

Rajesh Sharma
ASSTT. REGISTRAR

DR. SHUCHI SHARMA, IAS
Hon'ble Secretary,
Higher & Technical Education
Government of Rajasthan

Government of Rajasthan

A Webinar for

Higher and Technical Education

Organized by

RUSA Cell CCE, Rajasthan

Mr. Sandesh Nayak, IAS
Commissioner
Commissionerate of College Education

Effective Implementation of Anandam

आनंदम्

An Exercise in Trusteeship Ensuring Community Participation

Date : February 10,2021 Time : 03:00 PM

Technical Support Team

Er. Rajul Goyal | Pincipal GPC Jhalawar
Er. Prashant Joshi | Lecturer CSE
Er. Sourabh Gautam | Lecturer EL
gpc.jhalawar@gmail.com

Live Stream

YouTube GOVT POLYTECHNIC COLLEGE JHALAWAR

Click Here to Set Reminder

Organizing Committee

Dr. Seema Kashyap | Coordinator Anandam
Dr. Sandeep Kumar | IT Cell
Sh. Banphool | IT Cell

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

SYNOPSIS FOR PROJECT UNDER ANANDAM

1. Name of College/Department/University:
Department of Botany, New Campus, Jai Narain Vyas University, Jodhpur.

2. Dedicated Anandam Gmail of the college:

3. Title of the Project: Anandam: The joy of giving Community service: Cleaning our campus.

4. Location of Community service: Botanical Garden (front portion) of Department of Botany, JNVU.

5. Name Of the Mentor: Dr. Ashok Kumar Patel sir, Dr. Kheta Ram sir.

6. Class/Semester: M.Sc. Botany (previous year) II sem.

7. Details of Participants:

S.no.	Name of the Participants	Contact details	Signature
1.	Group leader		
	Sanveeksha Singh	8302460973	Singh
2.	Vinita Parwani	8619717833	
3.	Yagya Sharma	9511365194	
4.	Kratika Chauhan	9983223824	

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

5.	Deeksha Sahu	8319198543	
6.	Akshita Sharma	7665500438	
7.	Deepan Soni	8955433160	
8.	Chinan Mathur	7300248974	

8. Introduction: Anandam provides a platform to hard working students to perform services for their community while feeling the joy of giving and simultaneously releasing the stress that has been bottle up inside them.
Community service is unpaid work performed by a person or a group of people for the benifit and the betterment of their community without any form of compensation.

9. Objective of the project: To prepare and maintain a clean, green and hygenic botanical garden for the luxurious growth and conservation of variety of plants.

10. Target beneficiary: A two month restoration pregramme of the botanical garden (front portion) of Botany Department was carried out by our group. The garden is in a much better conditions now with the help of gardeners and motivation of the teachers.
Our targets included:
i) Cleanliness of our surrounding
ii) Eradication of weed plants for easier growth of Of various floral biodiversity.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO :
DATE / /

iii) To maintain a positive atmosphere for all the people working at the department or visitors.

11. Procedure:

i) Fall in of all the group members in the area of work on a particular prior decided time.

ii) Distribution of activities such as sweeping, waste collection and disposal, pulling out weed plants, watering the old plants/trees of the garden and plantation of new seeds.

iii) The activities described above are carried out everyday, for 1-2 hours, or every other day in order to maintain a clean garden.

12. Area of work: The Department of Botany has a huge botanical garden. The area covered by our group was the front portion for working in the garden.

13. Name of the govt/body/NGO involved: JNVU.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO:
DATE / /

PROJECT REPORT UNDER ANANDAM

1. Name of College/Department/University: Department of Botany, New Campus, Jai Narain Vyas University, Jodhpur.

2. Dedicated Anandam gmail of the college for sharing Google spreadsheet:

3. Title of the Project: Anandam: The joy of giving community service: Cleaning our campus.

4. Location of Community Service: Botanical Garden (front portion), Department of botany, JNVU.

5. Name of Menter: Dr. Kheta Ram sir,
Dr. Ashok Kumar Patel sir.

6. Preface: As a part of the Anandam Cirriculum and in order to gain practical knowledge in the field of botanical garden management, we are required to make a report on 'Anandam: Community service - Cleaning our campus'.
This project report consists of the objectives, target benificiary, methodology, excperience during interaction with community and achievements of the project.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

7. Acknowledgement: We would like to express a special thanks of gratitude to all the professors of our department especially Dr. Ashok Kumar Patel, Dr. Praveen Gehlot and Dr. Kheta Ram for their able guidance and support in the completion of our project.
We would also like to extend our gratitude to Dr. H.R. Dagla (former HOD) and Dr. Sunita Arora (present HOD) for providing us with all the facilities that were required.
A special thankyou to all the gardeners and lab incharges of the department for helping out with the physical and hardwork.

8. Introduction of the Project: The project was to restore and maintenance of the botanical garden (front area) carried out by 8 students of M.Sc. previous year II sem. It included sweeping the garden, waste collection and disposal, pulling out of weed plants, watering old plants and planting new seeds. All the aborementioned activities were carried out / performed by the 8 members of the group for about 6 months, thrice a week for 1-2 hours in order to maintain the beauty of the botanical garden and spreading awareness about cleanliness.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

9. Objective: To prepare and maintain a clean, green and hygenic botanical garden for luxurious growth and conservation of variety of floral biodiversity.

10. Procedure adopted: The Department of Botany has a huge botanical garden. The area for work covered by our group was the front portion of the garden. The methedology we adopted was:

i) All members gathered at the location at a particular time which was decided earlier.

ii) Some members were responsible for sweeping while some used to collect and dispose off waste. Some members pulled out weeds and yet other watered / planted the trees.

iii) All the members performed all the activities according to their chances which was already fixed one day prior on our Snandam whatsapp groups.

iv) Photographs were clicked by one member so as to upload them on the Snandam page on Instagram to motivate our followers to clean their surroundings.

v) The abovementioned activities were carried out for 1-2 hours every other day in order to maintain a clean garden.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

The group leader had already distributed the activities for all members on the basis of week days. Mine were:-

Neel Kamal
PAGE NO:
DATE / /

II. Activities with Date and Hours spent:

i) Sweeping — Every Tuesday. — For 1 hour
Dates:- (2nd, 9th, 16th, 23rd Feb '21)
(2nd, 9th, 16th, 23rd, 30th March '21)
(6th, 13th, 20th, 27th April '21)
~~(24th, 31st August '21)~~
~~(7th, 14th~~, 21st, 28th September '21)
(5th, 12th October '21)

ii) Garbage collection and disposal
— Every Thursday — For 1 hour
Dates:- 4th, 11th, 18th, 25th Feb 2021;
4th, 11th, 18th, 25th March 2021;
1st, 8th, 15th, 22nd, 29th April 2021;
~~26th August 2021;~~
~~2nd, 9th, 16th~~, 23rd, 30th September 2021;
14th, 7th, October 2021.

iii) Pulling out weed plants and learning about plantation strategies i.e. not to plant 2 seeds near by or else both may face competition for survival.
— Every Saturday — For 1 hour
Feb 2021 — 6th, 13th, 20th, 27th
March 2021 — 6th, 13th, 20th, 27th
April 2021 — 3rd, 10th, 17th, 24th
Sept. 2021 — 25th
Oct. 2021 — 2nd, 9th

iv) Watering Plants and miscellaneous — Every sunday — For 1 hr.
Feb 2021 - 7, 14, 21, 28
March — 7, 14, 21, 28
April - 4, 11, 18, 25
Sept. 26th
Oct. — 3rd, 10th

Teacher's Signature:

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO:
DATE / /

12. Observations and Experience -

We observed of how the clerical staff was helpful to us as they gave us the tools for sweeping and waste disposal and directions during gardening. Teachers provided us with refreshments after our work was complete and we become too tired and exhausting due to the sun.

After each day when we completed our work, a feeling of lightness was experienced by each and every individual member of the group. Even though we were tired from all the hardwork, the joy gave us the strength to continue our work following days.

14. Achievements -

(1) Botanical garden was restored to its original green and clean form.
(2) Since we planted trees, biodiversity of the area increased.
(3) Garden created a positive atmosphere all around the department.

15. Contributions of the group members:

All the members contributed equally in making the project a success. Some major qualities of individual member are :-

(1) Chinan was good at eradication of weed plants.

Teacher's Signatura _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

(2) Deeksha and Kratika performed the duty of sweeping with utmost perfection.
(3) Akshita and Deepam collected and disposed off the garbage without spilling at the proper disposal facility.
(4) Yagya showed her strength in dragging large tree branches and threw them off at road side so as to clear the walking path.
(5) Me and Vinita watered the plants with care. We also planted new seeds and water them daily so as to increase the floral biodiversity.

17. Conclusion: With the completion of a six month long project activity, a sense of responsibility developed in all group members towards the society. Also, all of us have realized our duty and the joy of giving our services to the community.

18. Class / Semester: M.Sc. Botany (Previous) II sem.

19. Details of participants:

S.no.	Name of the Participant	Input hours	Signature
1.	Group Leader Sameeksha Singh	64 hours	SSingh
2.	Vinita Parwani	64 hours	
3.	Yagya Sharma	64 hours	

Teacher's Signature ____________

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

4. Akshita Sharma 64 hours
5. Deeksha Sahu 64 hours
6. Deepam Soni 64 hours
7. Chinar Mathur 64 hours
8. Kratika Chouhan 64 hours

Scanned with CamScanner

पौधारोपण

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज०)
(विज्ञान संकाय नया परिसर)

मेंटर
डॉ० एस० एल नामा
(सहायक आचार्य प्राणीशास्त्र

ग्रुप लीडर
नाम - भाग्यश्री
कक्षा - एम० एससी प्राणीशास्त्र
सेमेस्टर - प्रथम

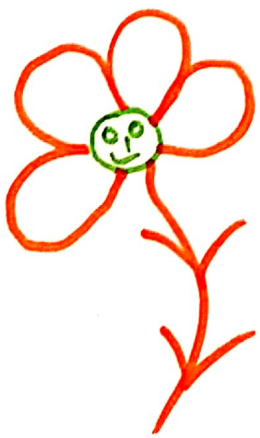

Scanned with CamScanner

* आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट *

कॉलेज का नाम - विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

परियोजना का शीर्षक - पौधारोपण

मेंटर का नाम - डॉ. एस. एल. नामा

विद्यार्थी / ग्रुप लीडर का नाम - भाग्यश्री

कक्षा - एम. एससी प्राणी विज्ञान

सेमेस्टर - प्रथम सेमेस्टर

प्रतिभागियो का वितरण

क्र.स.	प्रतिभागियो का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
1	दिव्या चौधरी	9772331111	Divya
2	कविता	9649241999	Kavita
3	पुजा जीनगर	8094904640	Pooja
4	मीना	8239602134	meena
5.	भाग्यश्री	9509725579	Bhagya
6	रेणु	8209891980	Renu
7	ललित	7014760794	lalit

Scanned with CamScanner

परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओ में किया गया है :

1. प्रस्तावना :
2. आभार :
3. अध्याय :
(i) परियोजना का परिचय
(ii) परियोजना का उद्देश्य
(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
(iv) गतिविधियां और समयावधि
(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण का वितरण

छात्रों के नाम और हस्ताक्षर

1. दिव्या चौधरी — Divya
2. कविता — Kavita
3. पुजा जीनगार — Pooja
4. मीना — meena
5. भाग्यश्री मीणा — Bomeny
6. रेणु — Renu
7. ललित — lalit

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1.) प्रस्तावना :- प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

→ आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए हैं और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं।

→ इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया।

2.) आभार :- इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हमारे विश्वविद्यालय के डॉ एस. एल नमा सर का योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से अका आभार व्यक्त करते हैं।

3.) अध्याय :-

(1) प्रोजेक्ट का परिचय :- राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में आनन्दम् कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा निर्देश दिए गए।

Designer
Scanned with CamScanner

* कार्य चिन्हित क्षेत्र :-

→ सभी ग्रुप के सदस्यों द्वारा पौधा रोपण किया गया ; स्कूल जाकर करके सदस्यों द्वारा पौधो, पेड़ का महत्व बताया।

→ कुछ ग्रुप के सदस्यों ने अपने घर के पास पौधों को लगाया। जबकि रेनु, दिव्या, खुशबु, कविता ने अपने घर के पास आदर्श माध्यमिक विद्यालय, जाकर पौधा रोपण किया।

- आदर्श माध्यमिक विद्यालय, प्रतापनगर
- अशोक उद्यान, सन्त पूर्ण बालाजी
- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर

प्रोजेक्ट का उद्देश्य :-

→ "पेड़ पौधों को बचाओ अगली पीढ़ी के लिए"

पेड़-पौधों का महत्व इसीलिए है, क्योंकि ये जीवनदायी है, हमें प्राणवायु देते हैं।

यदि ये ही नहीं रहेंगे तो फिर हमारा भविष्य कैसा होगा। इसका महत्व अगली पीढ़ीयों को जानना जरूरी है। मानव कृत्यों ने पहले ही इस धरती को बहुत नुकसान किया है।

गतिविधियाँ, व प्रक्रिया :- सदस्यों ने 2-2 के समूह बनाए। एक समूह ने नर्सरी से पौधो तथा गमले लाने का कार्य, तो दूसरे समूह ने उन्हें लगाने का कार्य किया।

→ एक समूह ने चार्ट व प्रोजेक्ट तैयार किए बच्चों को समझाने के लिए तथा दूसरे समूह ने स्कूलों में जाकर करके बच्चों को समझाने व पौधो का महत्व समझाने का कार्य किया।

Designer

Scanned with CamScanner

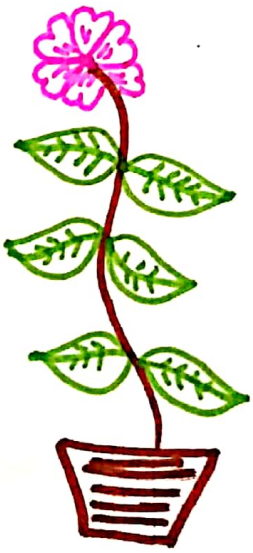

Scanned with CamScanner

" आओ मिलकर
पेड़ लगायें "

" पेड़ पृथ्वी का आभूषण हैं,
इससे ही तो इसमें जीवन हैं "

Scanned with CamScanner

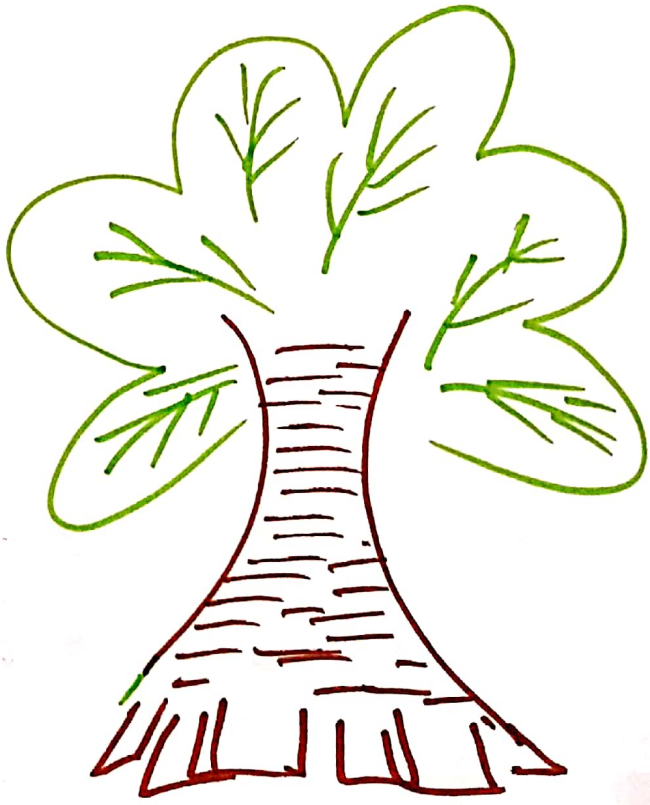

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुभव का वितरण :-

→ परियोजना के अंतर्गत हम लोग बच्चों एवं लोगों से मिलें।
उनसे जाना कि पेड़-पौधों का उनके जीवन में क्या महत्व हैं।

→ बच्चों से जाना कि उन्हें कौनसा पेड़-पौधों को लगाना अच्छा लगता हैं। कुछ का जवाब बहुत अच्छा था कि उन्हें नीम का पेड़ अच्छा लगता है। नीम की निंबोली अच्छी व नीमजर को काजल बनाने में उपयोग लेते हैं।

→ इस प्रकार संवाद किया और जाना कि वो लोग किस प्रकार से मदद कर सकते हैं।
पर्यावरण को बचाने में, प्रदूषण मुक्त करने में।

→ बढ़ती वैश्विक ताप, गलते ग्लेशियर ने यह जरूरी कर दिया हैं कि हमारा ध्यान पर्यावरण को बचाने में भी हो।

→ यदि यह समय रहते नहीं किया तो परिणाम और भी भयानक होंगे।

→ हर मनुष्य का "मानव धर्म हैं" कि वह पर्यावरण को बचाने व संरक्षित करने में योगदान दें।

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

ANANDAM

(An Exercise In Trusteeship)

AN ACT OF COMMUNITY PARTICIPATION PROJECT

The Joy of Giving

Jai Narain Viyas University, Jodhpur

(Science Department , New Campus)

MENTOR

Dr. S.L.Nama

(Zoologist Professor)

Group Leader

Kavita Mali

Std.-Msc-Zoology

Semester – 1ST,Sem

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

COMMUNITY PROJECT UNDER "ANANDAM" SUBJECT

1. Name of university :- Jai Narain Vyas University, Jodhpur
2. Name of the leader :- Kavita Mali
3. Dedicated Anandam Gmail of the college :-
4. Title of the project :- Protect and maintain the environment
5. Location of community service :- Western Rajasthan (Jodhpur dist.)
6. Name of the mentor :- Dr. S.L Nama
7. Class/ semester :- M.Sc - sem I (Zoology department)
8. Details of participants :-

Sr. No.	Name of participant	Mob. No.	Sign.
1.	Kavita Mali	9429123350	Kmali
2.	Rajani	7230883685	Rajani
3.	Kavita Kumari	9785003987	
4.	sourbh pal	8058940303	Sourabh Pal.
5.	Anita Jangir	9057693266	
6.	Neeru Matwa	6377900494	Neeru Matwa.
7.	Dinesh Meena	8875251961	
8.	Santosh	7297820939	
9.	Yogendra singh	8696960392	Yogendra Rathore
10.	yogita	7357765991	

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

JAI NARAIN VYAS UNIVERSITY

ANANDAM

Msc 1st sem. (zoology)

JOY GROUP

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

Introduction of the Project

"Anandam" means happiness", so "Anandam" course has been introduced as compulsory subject and to be implemented in first years of all UG courses and 1st semester of all PG courses in all university/colleges of Rajasthan from Academic session 2020-21. The moral of this course is the "Joy of giving" and sharing in young people through community participation, helping them to be responsible citizens and be initiators of change for healthy society.

This will give platform to the students for expressing their creative abilities and be empathetic. It include syllabus comprises on activities of goodness done by the students. It also means doing something good every day for the society or needy one.

It prove very effective not only for the personal, social, ethical, academic and all round development of students but also enhance their leadership qualities and personal behaviour.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

Project (Activity - 1)

Introduction :-

Our aim to bring awarness in local public regarding importance and maintaince of environment. From this project we will provide strong message through interaction with local citizens providing slogan, making posters, short seminar. This will going to help as to preserve our environment for present as well as future generations.

Our topic is on cleanliness and convey positive message towards community. The way we keep our home neat and tidy, we should keep our environment also clean, which is essential for healthy living. The more we don't care about our environment, the more it will become polluted which have harmful impact on all biotic factors. We think one step towards Kaylana lake cleanliness.

Kaylana lake is located 8 km west of Jodhpur in Rajasthan. It is artificial lake built by pratap singh in 1872. The city of Jodhpur and all the surrounding towns and villages depends on Kaylana lake as a sources of drinking water. So cleaning this lake is responsibity of every citizens.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Objectives :-

→ Environment upkeep is very important for healthy life. We are lucky our ancestor have given us good environment to live in. But from early 70s, the concern for environment is diminshing. so, to spread awarness among every individuals in our society and saving our nature is the prime importance for this project of conservation.

* Methodology Adopted :-

* We decided to try to clean Kaylana lake with all group membes, and along with we want to convey message to the people to dump polythene bags into dustbin not into the water

* There are about 10 groups membes 6 were girls and 4 were boys of "Joy group" we maded a planned and arranged this cleanliness program. it helps to improve our personality by keeping clean externally and internally.

* With some posters, and solgan try to changing the prospective mind towards the cleanliness of water.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

* Activities done and time dedicated

- Our "Joy group" started ~~are~~ cleanliness activity afrom 4'o clock at evening and it was last for 3 hour on 26 Febuary.
- At the lake we all divided our work on the basis of capability of person.
- Through poster and slogan convey the message to the people and youth to keep the surrounding clean for the well being of aquatic animals.
- Together we all picked up the garbage it was lying here and their.
- Peoples were listening very carefully to our words. They also helping us to picked up the garbage put into the dustbin.
- We all gave this message through speech to put garbage into the dustbin, don't throw into the water and garden.

Teacher's Signature ________

Scanned with CamScanner

26-02-2021 , FRIDAY

Scanned with CamScanner

यूं तो धूमिल नहीं होने देंगे कायलाना का वैभव हाथ ही हमारे साधन है और जोश और जुनून संसाधन

फोटो : हिमांशु

जोधपुर/नवज्योति। कायलाना के शांत पड़े शीतल जल के किनारे युवाओं की ओर से उसके सौन्दर्य को और निखारने के जुनून ने आज वहां से जो कोई भी गुजरा उसका ध्यान जरूर आकर्षित किया। जो युवा केवल यहां घुमने फिरने और मस्ती के लिए आते थे वो आज यहां फैली गंदगी उठा रहे हैं..। देख कर सभी का मन हर्षाया और आवाज भी यह मन के दरवाजे को चीरती हुई बाहर निकली कि वाह मेरा जोधपुर बदल रहा है। जी हां शहर में अब सोच बदली है। फिर वो भले ही युवा ही क्यों ना हो। जोधपुर के वैभव और उसके प्राकृतिक सौन्दर्य पर किसी भी प्रकार की कोई बदनुमा चीज उन्हें बर्दाश्त नहीं। चाहे इसके लिए उन्हें कीचड़ में ही अपने हाथ क्यों ना डालने पड़े या मैली कुचली वस्तुओं के भरे ठेले को उठाकर कहीं दूर फैंकना पड़े...उन्हें ना कोई हिचक है और ना ही शर्म। वे पूरे जोश और जुनून से यह सब आज करते हुए दिखे।

कुमार प्रवीण

प्रशासन को यह समझना चाहिए

पर्यटन क्षेत्रों से ही शहर की छवि निखरती है और दूर दराज तक उसकी साख भी पहुंचती है। बीते कई महीनों से प्रशासन की तरफ से यहां केवल दौरे कर निर्देश ही जारी किए हैं, काम धरातल पर कुछ नहीं हुआ। नगर निगम को तो फुर्सत ही नहीं मिलती। इसलिए उससे उम्मीद करना बेमानी है। लेकिन युवाओं ने ठान लिया है। ना उन्हें संसाधनों की आवश्यकता है और ना ही वे साधनों के भरोसे हैं। फिर भी वे गंदगी उठाए जा रहे हैं। किसी की लापरवाही की....किसी की मनमानी की.....किसी की दादागीरी की.....।

शाबास जॉय ग्रुप जुलोजी डिपार्टमेंट

शुक्रवार को यहां सफाई करने पहुंचे युवा जॉय-ग्रुप जुलोजी डिपार्टमेंट के थे। ग्रुप सदस्यों ने सबसे पहले कायलाना झील में रहने वाले जीव जंतुओं को बचाने के उद्देश्य से पानी में पड़े कचरे इत्यादी को बाहर निकाला। फिर ग्रुप द्वारा इस तरह कचरा फैलाने वाले लोगों को जागरूक भी किया गया। यह संदेश दिया कि कचरे को कचरा पात्र में ही डाले। टीम के सदस्यों में नीरू मातवा, कविता माली, अनिता जांगिड, कविता कुमारी, योगिता, संतोष, योगेन्द्र, दिनेश मीणा व सौरभ मौजूद रहे।

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Observation and Experiences during interaction with community with photographs. and media covering.

- We saw that how people are listening carefully to our words as well as obeying them.
- From that crowded place one media man is recording all activities which we were doing.
- When we talked to the people, they listened to us and also follow them.
- When we reached our words to so many people, then we had a good experience with them.
- Some of our friends were clicking photos and media man covering all recording.

* Achievements/ benefits of the project.

- We are happy to see that people listened to us from the heart. Along with listening, obying rule and regulations towards cleanliness.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* All our activities were covered by the media and published this cleanliness program into the newspaper.

* This is the best achievement experience we had of all.

* This will give platform to the students to ~~experiment~~ expressing their creative abilities, listening and communication skill.

* It also prove very effective not only for personal, social, ethical, academic and all round development of students but also enhance their leadership qualities and personal behaviour.

* Individual contributions of the group members.

- Kavita Mali and Kavita Kumari of "Joy group" member make the beautiful & creative poster on the basis of cleanliness.

- Neeru and yogendra had good communication skill due to this skill they have to understand the surrounding people.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Conclusions and Inferences

As, it the nature which provide us many important resources and factors for our life, in the same way it is our duty to keep clean the water and surrounding and provide it in the same condition to next generation gave us.
As these garbage are home for many vectors which spread harmful disease and decrease oxygen casumption in aquatic life.

* Acknowledgment :-

We would like to express our special thanks of gratitude to Dr. S L Nama sir who always helps us and guide us to do this wonderful project.

Secondaly we would like to thank to Himanshu sir (Navniknavajyoti newspaper publishers) who helped us a lot to conveying our cleanliness message to people through newspaper. Thanks to our team doing work with each other cooperation.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

Activity - 2

Introduction

Cleanliness give rise to a good character by keeping body, mind and soul clean and peaceful. Maintaining cleanliness is the essential part of healthy living because it helps to improve personality by keeping mind clean externally and internally. The way we keep our home neat and clean we should keep our environment also clean, which is essential for healthy livings At Silver jubilee outside the Hostel cleanliness activity proceed.

Objective

- To create awareness about health and Hygiene.
- To promote cleanliness and hygiene in wholistic manner.
- To focusing on scientific solid and liquid waste management systems.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Methodology

- The health of humans and flora and fauna depends on the cleanliness of the environment. We must plant trees and must be Eco-friendly and encourye other.
- "Toy group" members get divided into two small group and divide the area were to clean and how much to clean.
- One group contain 2-3 member with holding cleanliness material such as broom, rubber glaves, dust pan, trash can, garbage can.
- Other group complete the work of socializing with first group.
- 2 dust pan is to be used (one for organic and anther for inorganic wastes.

* Activity done and time dedicated

- Outside the Silver Jubilee Girl's Hostel their is lots of garbage is spreaded.
- "Toy group" members' (4-5) took the garbage put into the garbage can, or trash pan.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

- On monday at 14 March 2021 in evening all members of group are clean the full area of Hostel.
- There were many plastic bags outside the dustbin which the cow was eating. Collection of wastes according to organic and inorganic waste.
- After 2-3 hours of work, the hostel ground get clean up with freshness in air.

* Observation

* While group members doing cleanliness work, the Hostel warden maam took this work initiative and she also helping them.
* seeing us working, the rest of the hostel girls also helped us.
* Our warden maam did speak to everyone hostel girls about cleanliness and don't let the garbage be thrown out in the bins.
* Hostel warden maam said that to all girls from today onwards all girls will do cleanliness activities.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Achievements

Clean and healthy society is very essential for the environment and progress of the nation. While doing this activity we get rid from many harmful diseases. The presence of a clean environment means the absence of viruses & bacteria.

Hostel warden maam (Silver Jubilee PG Hostel) were very happy to see our work and she asked other's girls to do this cleanliness work.

* Conclusion

As it the nature which provide us many important resources and factors for our life, it is our duty to keep clean and healthy. Indian gov. initiative like swachh Bharat has given hope for cleaner India.

We should all do our bit to maintain cleanliness in areas we live or visit. We should stop others from throwing wastes at undesignated places.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Acknowledgment :-

I would like to express my special thanks of gratitude to my Hostel warden maam Dr. Dr. Ranu sharma for their support in completing my cleanliness project.

Date
14-03-21

She has actively contributed in the cleanliness drive in the hostel premises.

R Sharma

Warden
P.G. Girls Hostel
J.N. Vyas University
JODHPUR

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

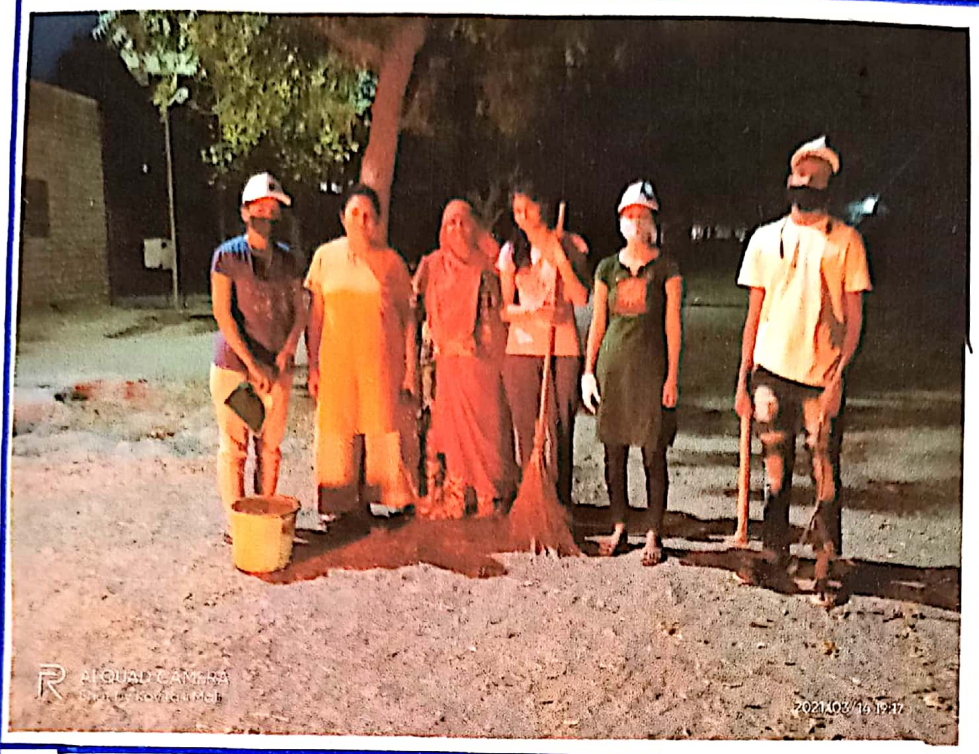

Scanned with CamScanner

Activity - 3

[cleanliness of hostel ground]

Introduction :-

- cleanliness is a habit of keeping your body and surrounding clean.
- A clean and healthy society is very essential for the environment and progress of the nation.

In India lot of programme was introduced to ensure the welfare of the people but people and government don't follow properly. Government of India also introduced shwaach Bharat abhiyan to encourage people to stop the garbage through into the road or in our society here and there.

In our ST. Girl's Hostel our aim to create awareness towards cleanliness in hostel ground. Together we will make the hostel ground a clean ground. We should never compromise with cleanliness, it is as necessary as food and water for us.

Objectives :-

- To helps to increase in individual productivity by healthy body and healthy mind and clean surrounding.

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Methodology :-

- Role of environment cleaning is important because, it reduces the number and amount of infectious.
- To create a clean and safe, attractive environment for girl's hostel.
- Unhygeine atmosphere directly effect on the studies of students those who living in hostel.
- Member of 2-3 group people along with girl's of hostel focus on clean atmosphere and free from garbage.

* Activity done and time dedicated.

- In early morning at 8:30pm on 28 Feb 2021, 2-3 members of Anandham group (Joy group) join in mission of cleanliness of Hostel ground.
- Along with few member of Hostel also help to us.
- At 11pm we stop our work and take some rest and again started work to picked up all garbage lying on the hostel ground.

* Observation :-

Before cleaning ground their was unhygiene atmosphere of hostel. After start doing cleaning work all hostel girl's going to start helping us to rid from garbage.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

* Achievments / Benefits of the project :-

- Spreading mosquito is get reduced.
- Unwanted smelling is reduced
- Clean, and hygiene and fresh air to be intake.
- Also create awarness towards cleanliness to other group or hostel girls.
- Hostel warden also supported us and helping us to maintain healthy atmosphere in hostel.

* Conclusions :-

Cleanliness is not the responsibility of only one group it is the responsibility of each and every person living in home, hostel, college and society.

* Acknowledgment :-

First and formost, I would like to express my sincere gratitude to my mentor Dr. S.L Nama sir and Hostel warden Vimala madam for supporting and encouragment.

Date :- 28-2-21

Sign

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

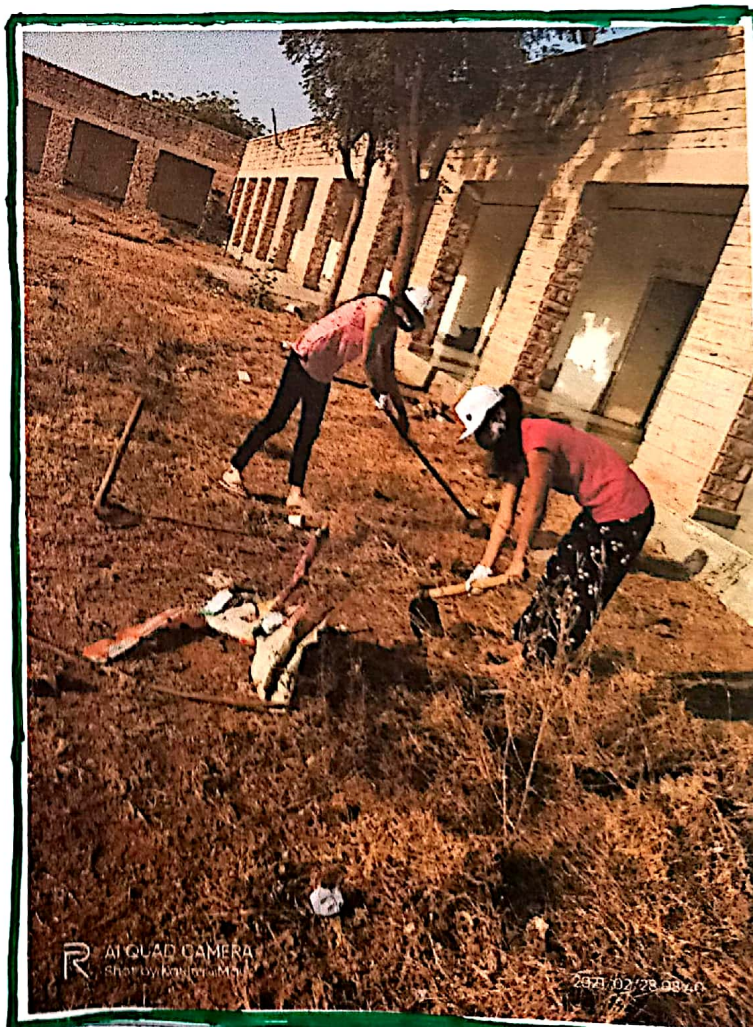

Scanned with CamScanner

Aug/2021

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

Activity - 4 [Tree plantation]

[At new campus JNVU]

Introduction :-

Tree contribute to their environment over long periods of time by providing oxygen, improving air quality, climate amelioration, conserving water, preserving soil and supporting wildlife.

Tree plantation guarantees that the supply of oxygen never ends. Planting trees is the ideal approach to support nature. When trees are planted on its own, the biodiversity of that zone is improved.

The planting tree programmes proceed on 15 August at the day of independance at science department. Tree plantation is an activity that we can all participate in for improving our environment.

Objectives :-

- Improve freshness of air quality and improve water quality.
- To prevent soil erosion
- To reduce pollution and promote plantation.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

• Methodology

* In Rajasthan Bishnoi community is called protector of wildlife and environment in western Rajasthan From this way we also protect the tree and planting more trees.
* Indentify the site is at science department garden area. check the quality of soil Soil is fertile or not.
* Near by water facility is their or not, Different types of trees needed different types of soil.
* Taken a small plant of trees mostly Neem trees planted on the ground of science department.

• Activities done and time dedicated

* In early morning on 15 August 2021 our group leader with other group member initiate our programme of planting a trees at science dept.

* Than we used digging machine in craden of science department, were we planted a trees taking distance between the plants.

* After 3 hours we watered the all plants which we were planted. We put the label on the tree net, We planted a tree maximum 10-15 in the front of science department of.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

at JNVuniversity new campus. Some of trees are Neem, Khejri, Khair etc.

At afternoon we done with work and again watering the plant through water tap system using long pipe.

* Observation and Experiences :-

→ Our faculty teacher's show us to doing this activity. After tree planting, that area started looking even better. Faculty sir also told about the method of tree planting and gave more information on planting trees.
→ We felt very peaceful and, doing good work, on the day of independence.

* Achievements from this project

→ We made contributions in improving air quality by planting a trees.
→ Our teachers help us to guide the and tell us methods, technique how to plant a trees.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

Neel Kamal
PAGE NO.:
DATE / /

★ Conclusions :-

So, the benefits of planting trees are enormous, It is time we realize how importance these are for our environments as well as our social and economic well being. Each one of us must take it as a responsibility to plant trees whenever and wherever we can to make our plant better place to live.

★ Acknowledgment :-

In the accomplishment of this project successfully, We would like to thank my mentor Dr. S.L Nama and faculty teacher professor R. P Saran sir.

Then we would like to thank ~~my~~ our group members of "Joy group" for their support and valuable suggestions.

Teacher's Signature _____

Scanned with CamScanner

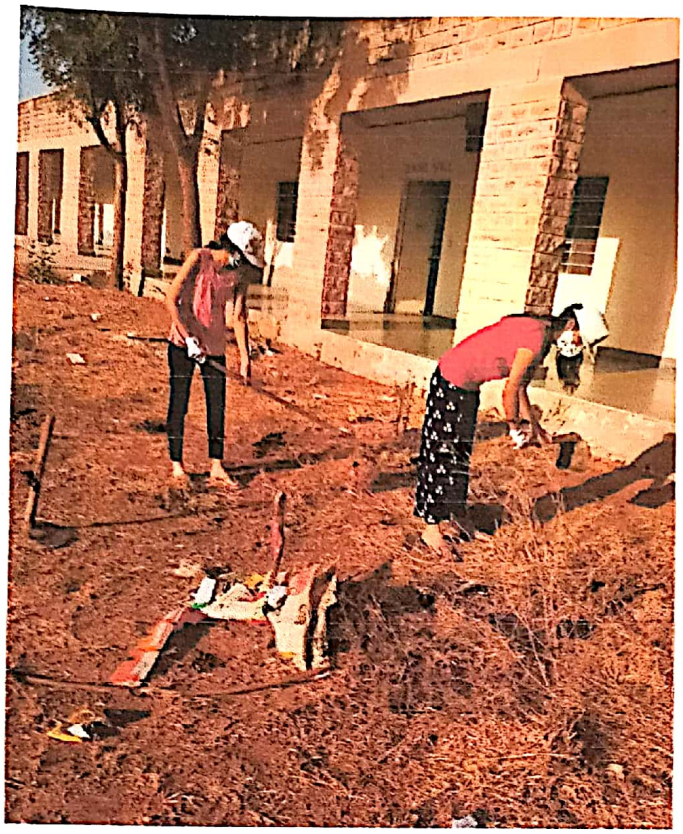

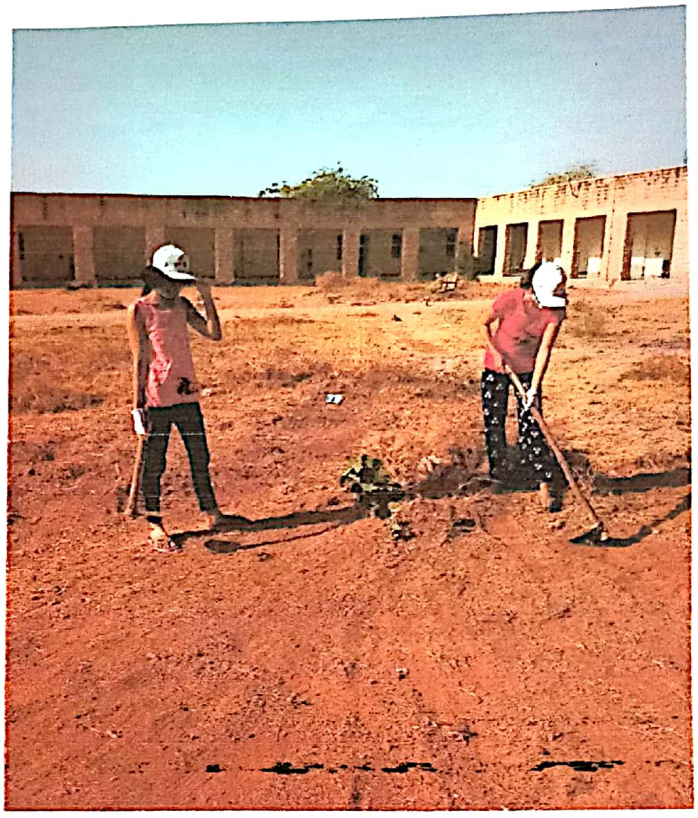

Scanned with CamScanner

जरूरतमंद लोगों को उपयोगी वस्तुऐं वितरित करना

(परियोजना रिपोर्ट)

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.)
(विज्ञान संकाय, नया परिसर)

मेंटर
डॉ. एस.एल.नामा
(सहायक आचार्य प्राणीशास्त्र)

ग्रुप लीडर
रमेश कुमार
कक्षा–एम.एससी. प्राणीशास्त्र
सेमेस्टर–प्रथम सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट

1. कॉलेज का नाम :- विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान)

2. परियोजना का शीर्षक :- जरूरतमंद लोगों को आवश्यक व उपयोगी वस्तुओं का वितरण करना।

3. मेंटर का नाम :- डॉ. एस. एल. नामा

4. विद्यार्थी / ग्रुप लीडर का नाम :- रमेश कुमार

5. कक्षा :- एम. एससी. प्राणी विज्ञान

6. सेमेस्टर :- प्रथम सेमेस्टर

7. प्रतिभागियों का विवरण :-

क्र.स.	प्रतिभागियों का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
1.	रमेश कुमार (लीडर)	8079003560	Ramesh
2.	रिया सैन	8107654672	RiaSain
3.	अदिति देवड़ा	9571199967	@diti
4.	स्वेच्छा अग्रवाल	7023022977	Swechha
5.	स्वाती लोहिया	9929395768	Swati
6.	प्रेक्षा भट्ट	6378685262	Preksha
7.	गरिमा व्यास	7014599906	Gunjas
8.	वीना	6378464080	वीना

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में प्रस्तुत किया गया है :

1. प्रस्तावना :
2. आभार :
3. अध्याय :
   (i) परियोजना का परिचय
   (ii) परियोजना का उद्देश्य
   (iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
   (iv) गतिविधियां और समयावधि
   (v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरिक्षण व अनुभव का वितरण

★ छात्रों के नाम और हस्ताक्षर :-

1.	रमेश कुमार (लीडर)	[signature]
2.	रिया सैन	Riya Sain
3.	अदिति देवड़ा	Aditi
4.	स्वेच्छा अग्रवाल	Swechha
5.	स्वाती लोहिया	Swati
6.	प्रेक्षा भट्ट	Preksha
7.	गरिमा व्यास	Gvyas
8.	वीना	वीना

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1. प्रस्तावना :-

→ प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

→ आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए है और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं। मानव जीवन सहानुभूति और करुणा के लिए सम्मान खो रहे है। सामाजिक सामंजस्य के लिए यह जरूरी है कि युवाओं में खुशी के साथ-2 सकारात्मक मानवीय व्यवहार का समावेश हो, जिससे युवाओं में संतोष, आत्मविश्वास, शांति और संतुष्टि बनी रहे।

→ इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया। इन्ही परियोजनाओं में से एक विषय को आधार बनाकर हमारे समूह द्वारा कार्य किया गया जिसमें सभी ने अपने पास उपलब्ध सामग्री को एकत्रित किया तथा एक बैंक बनाया, जैसे- मास्क, कॉपीयां, पेन-पेन्सिल, पुराने कपड़े, पुस्तकें, खाद्य सामग्री इत्यादि। इनको जरुरतमंद लोगो में वितरित किया गया।

→ SARS-COVID 19 जैसी वैश्विक महामारी ने लोगो की आर्थिक स्थिति पर बहुत असर डाला है। लॉकडाऊन का सबसे अधिक प्रभाव गरीब वर्ग तथा मजदूर वर्ग पर पड़ा है। ये लोग दयनीय आर्थिक स्थिति से गुजर रहे हैं। इसलिए ऐसे वर्ग के लोग जो आर्थिक स्थिति में कमजोर है, की सहायता के उद्देश्य से ही हमारे द्वारा इस परियोजना का चयन किया गया।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

→ इसकी प्रेरणा हमे आनन्दम् प्रोजेक्ट के तहत डॉ. एस. एल. नामा सर से मिली।

→ इस हेतू एक समूह निर्मित किया गया जिसमें आठ प्रतिभागी सम्मिलित है। इसे पूरा करने में 5-7 दिन का समय लगा।

2. आभार :-

→ इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हमारे विश्वविद्यालय के डॉ. एस. एल. नामा सर का अहम योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से उनका आभार व्यक्त करते हैं इसी क्रम में मेरे सभी साथीगणों का भी अहम योगदान रहा जिन्होने इसे पूरा करने में भरपूर सहयोग किया।

→ हम हमारे परिजनों का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होने हमें आॅर्थिक रूप से मजबूत बनाकर अपना योगदान दिया जिसके फलस्वरूप हम अपनी परियोजना को पूरा करने में सफल हो पाये।

3. अध्याय :-

(i) प्रोजेक्ट का परिचय :-

→ आनन्दम् उस व्यापक मानसिक स्थितियों की व्याख्या करता है जिसका अनुभव मनुष्य और अन्य जन्तु सकारात्मक, मनोरंजक और तलाश योग्य मानसिक स्थिति के रूप में करते है इसमें विशिष्ट मानसिक स्थिति जैसे- सुख, मनोरंजन, खुशी, परमानंद और उल्लासोउन्माद भी शामिल है।

→ इस प्रेरणा से प्रेरित होकर राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में आनन्दम् कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा-निर्देश दिये गये।

→ इसका उद्देश्य कॉलेज में विद्यार्थियों को समाज के प्रति योगदान करने और बदले में अकादमिक क्रेडिट अर्जित करना है।

→ पूर्व में वर्णित प्रोजेक्ट जिसके अन्तर्गत जरूरतमंद लोगो को उनकी जरूरत के मुताबिक चीजों का वितरण किया गया।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

★ कार्य चिन्हित क्षेत्र :- हमारे द्वारा घर से भोजन बनाकर विभिन्न स्थलों पर भोजन का वितरण किया गया जो कि निम्न प्रकार है।

1. रामलीला मैदान स्थित कच्ची - बस्ती
2. एम्स . के पास स्थित कच्ची - बस्ती
3. अनाथाश्रम व कुड़ी भगतासनी स्थित झुग्गी - झोपड़ी
4. महात्मा गांधी विद्यालय स्थित झुग्गी - झोपड़ी
6. कोढ़ियो का आश्रम
6. मंदे बच्चों का आश्रम
7. मंदबुद्धि बच्चो का आश्रम
8. लोडिया की पाल स्थित चॉक

★ लक्षित लाभार्थी :- भोजन का वितरण बच्चों से लेकर बूढ़ो तक किया गया जिसमें कुष्ठ-रोगी , मंदबुद्धि , अनाथ बच्चे , विकलांग बच्चे शामिल थे। शिक्षा- सामग्री का वितरण अनाथ बच्चों में किया गया।

इस प्रकार कुछ हद तक लोगों की भूख मिटा कर कोरोना - काल की कठिन घड़ी में हमारे समूह ने समाज के प्रति अपनी सहभागिता निभाई।

(ii) प्रोजेक्ट का उद्देश्य :- "मदद करते समय इंसानियत हो धर्म"

→ मौलाना सैफ अब्बास ने कहा था कि जरूरतमंदों की मदद की मुहिम बहुत अच्छी है लेकिन इसमें सभी लोगों की मदद की जाए , चाहे वह किसी भी धर्म या जाति से ताल्लुक रखता हो। लोगो को इस मुश्किल घड़ी में इंसानियत को धर्म बनाकर अपने कर्तव्य को अंजाम देना चाहिए। प्रोजेक्ट के तहत मानव जीवन का उद्देश्य है कि अपने मन, वचन तथा काया से औरो की मदद करना। हमेशा यह देखा गया है कि जो लोग दूसरो की मदद करते है उन्हे कम तनाव रहता है तथा मानसिक शांति और आनन्द का अनुभव होता है।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

वे साथ ही साथ अपनी आत्मा से ज्यादा जुड़े रहते हैं। साथ ही साथ जरूरतमंदो को आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाना इस प्रोजेक्ट का प्रमुख उद्देश्य है।

→ हमारे समूह द्वारा गरीबों को गर्म कपड़े उपलब्ध करवाये गये जो कि आने वाले सर्दी के मौसम में उनके लिए आवश्यक सिद्ध होगें।

→ निर्धन परिवारो के बच्चों को पढ़ाई की सामग्री जैसे- कॉपी, पेन, पेन्सिल, किताबें आदि उपलब्ध करवाकर उनकी शिक्षा में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया।

→ गरीबो और आर्थिक रूप से कमजोर लोगो को उनकी भूख कम करने में और आर्थिक रूप से सहायता देने में यह प्रोजेक्ट सार्थक रहा।

→ वही वृद्धाश्रम में वृद्धो को हमारे समूह से मिलकर प्रसन्नता प्राप्त हुई। इस प्रकार हमारा प्रोजेक्ट कुछ हद तक लोगो की सहायता करने में सफल रहा।

(iii) <u>अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति</u> :-

→ 8 प्रतिभागियों में से 4-4 का समूह बनाया गया तथा परियोजना को सफल बनाया गया।

→ इसके अन्तर्गत 2 प्रतिभागियों ने मास्क का वितरण किया, 2 ने फलो का वितरण किया तथा अन्य 2 ने खाद्य-सामग्री का वितरण किया। शेष बचे 2 ने पाठ्यसामग्री का वितरण किया तथा साथ-2 मास्क का भी वितरण किया गया।

→ इस दौरान निम्न दिशा-निर्देशो की पालना की गई।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

(i) वे अपने-अपने काम को बखूबी से करें।
(ii) वहां पर यह सुनिश्चित किया गया कि बिल्कुल भी भीड़-भाड़ न हो और शोर न हो।
(iii) व्यवस्थित रूप से अलग-² कतारें बनवाई गई ताकि चीजों के वितरण में आसानी हो।
(iv) कोरोना काल के कारण एक-दुसरे के बीच उचित दूरी का पालन किया गया। (मास्क के साथ)
(v) यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी व्यक्ति दोबारा किसी वस्तु का लाभ न लें जिससे कि सीमित वस्तुओं का बंटवारा सब जनों में हो सके।
(vi) अन्य सभी प्रकार की कोरोना प्रोटोकॉल का ध्यान रखा गया।

(iv) <u>गतिविधियां और समयावधि</u> :-

→ निम्नांकित गतिविधियां अलग-अलग दिनों तथा समयावधि में की गई।
→ भोजन तथा मास्क का वितरण दिन के समय किया गया।
→ फलों का वितरण सुबह तथा संध्या के समय किया गया।
→ अगले दिन विकलांग आश्रम तथा कोढ़ियों के आश्रम में फलों का वितरण किया गया।
→ अनाथ-आश्रम में पाठ्यसामग्री बांटी गई।
→ मास्क का वितरण हर स्तर पर किया गया।
→ इस प्रकार विभिन्न प्रकार की गतिविधियां अलग-² समयावधि में की गई जिसके कुछ फोटोग्राफ निम्न प्रकार है।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

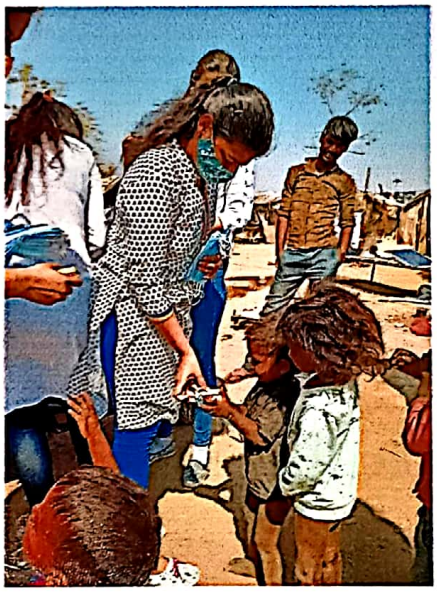
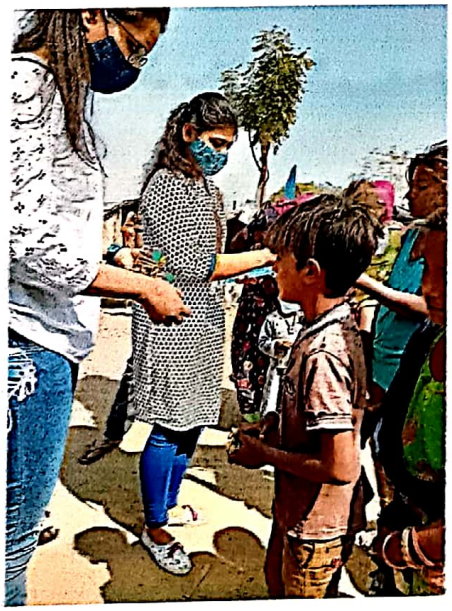

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

TOPIC

DATE

(V) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुभव का वितरण :-

→ परियोजना के दौरान विभिन्न प्रकार के लाभार्थियों से हम लोगों का प्रत्यक्ष संवाद हुआ जिसमें हमने उनसे विभिन्न प्रकार की समस्याएं जानी जो कि उन्हे जीवन की रोजमर्रा में आती है।

→ बच्चो से जाना कि उन्हे निर्धन होने के कारण पढ़ाई और अन्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती ऐसे में उनकी मदद करना श्रेष्ठ मानव धर्म है।

→ इस प्रकार इन लोगों की मदद कर उनकी परेशानियां कुछ हद तक कम करने यह परियोजना लाभकारी सिद्ध हुई।

→ जरूरतमंद लोगों की मदद करना ही श्रेष्ठ मानव धर्म है अतः हम लोगो का यह एक श्रेष्ठ अनुभव रहा और ऐसे अनुभव ही मन और आत्मा को संतुष्टि देने वाले होते है अतः हम लोग ऐसे ही कार्य निरन्तर करने का और उनको जीवन में अपनाने का प्रण लेते है।

→ यह मुहिम सोसायटी के लोगो में सकारात्मक भावनाएं और बदलाव लाएगी जिससे कि उनमें मदद की भावना पैदा हो।

Oddy Stationery

Scanned with CamScanner

ANANDAM

घायल एवं बीमार गायो और जानवरो की देखभाल हेतु परियोजना

(परियोजना रिपोर्ट)

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज)

(विज्ञान संकाय, नया परिसर)

मेंटर

डॉ एस एल नामा

सहायक आचार्य प्राणिशास्त्र

ग्रुप लीडर

ट्विंकल शर्मा

कक्षा - एम एससी प्राणिशास्त्र

सेमेस्टर . प्रथम सेमेस्टर

Scanned with CamScanner

* आनंदम के तहत परियोजना रिपोर्ट *

1. कॉलेज का नाम :- विज्ञान संकाय, नया परिसर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर [राज.]

2. परियोजना का शीर्षक → Animal care. घायल और बिमार गायों जानवरों की देखभाल हेतु योजना।

3. मेंटर का नाम → डॉ. एस. एल. नामा

4. विद्यार्थी/ग्रुप लीडर का नाम :- टविंकल शर्मा

5. कक्षा → एम. एससी. प्राणी विज्ञान,

6. सेमेस्टर → प्रथम सेमेस्टर

7. प्रतिभागियों का विवरण :-

क्र.सं.	प्रतिभागियों का नाम	मोबाइल नंबर	हस्ताक्षर
1.	टविंकल शर्मा [लीडर]	8949630516	Twinkle
2.	वरालिका हर्ष	797610843	Varalika Harsh
3.	सुनीता चौधरी	9413833725	Sunita Chaudhary
4.	श्यामा बिश्नोई	8210858277	Shyama

Lotus Designer

Scanned with CamScanner

5.	निशा शर्मा	9928390981	Nisha
6.	हर्षिता पंवार	7691067482	Harshita
7.	हर्ष शर्मा	8107239154	Harshey
8.	मोहित शर्मा	9166916153	Mohit
9.	दुर्गा कंवर	9694488525	Durga Kanwar.

* परियोजना रिपोर्ट को निम्नलिखित प्रमुख बिन्दुओं में प्रस्तुत किया है :- 1. प्रस्तावना :

2. आभार :

3. अध्याय :- (i) परियोजना का परिचय
(ii) परियोजना का उद्देश्य
(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया / पद्धति
(iv) गतिविधियां और समयावधि
(v) परियोजना के दौरान सामाजिक संवाद एवं निरीक्षण व अनुमत का विवरण.

* छात्रों के नाम और हस्ताक्षर :-

1. टविंकल शर्मा Twinkle
2. मोहित शर्मा Mohit
3. निशा शर्मा Nisha
4. हर्ष शर्मा Harsh
5. वशालिका हर्ष Vanalika
6. हर्षिता पंवार Harshita
7. श्यामा बिश्नोई Shyama
8. सुनीता चौधरी Sunita choudhry
9. दुर्गा कंवर Durga

Designer
Scanned with CamScanner

★ प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु :-

1. प्रस्तावना
2. आभार
3. अध्याय

1. प्रस्तावना :-

* प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा-सत्र में युवाओं में खुशी के साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार को बढ़ावा/बढ़ावा देने के उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम का संचालन किया गया।

* आज के दौर में जीत व प्रतिस्पर्धा जीवन का पर्याय बन गए हैं और गला काट प्रतियोगिता की इस दौड़ में युवा चिंता, अवसाद और आत्महत्या की गतिविधियों में फंसते जा रहे हैं। मानव जीवन सहानुभूति और करुणा के लिए सम्मान खो रहा है। सामाजिक समंजस्य के लिए यह जरूरी है कि युवाओं में खुशी के साथ-साथ सकारात्मक मानवीय व्यवहार का समावेश हो, जिससे युवाओं में संतोष, आत्मविश्वास, शांति और संतुष्टि बनी रहे।

* इसी उद्देश्य से आनन्दम् पाठ्यक्रम लागू किया गया। जिसके तहत अनेक परियोजनाओं का समावेश किया गया। इन्हीं परियोजनाओं में से एक विषय को आधार बनाकर हमारे समूह द्वारा कार्य किया गया जिसमें सभी ने अपने पास उपलब्ध सामग्री को एकत्रित किया तथा एक दो गोशाला का भ्रमण किया एवं वहा जा कर बिमार गायों की सेवा की।

→ SASR-Covid 19 जैसी वैश्विक महामारी में लोगो के साथ-साथ जानवरों को भी बहुत असर डाला है। लॉकडाऊन का प्रभाव जानवरों पर भी पड़ा है। इसलिए हमारे ग्रुप के लोगों ने मुहिम चलाई। और हम से जितना

Designer
Scanned with CamScanner

बन पड़ा हमने घायल जानवरों कि सेवा की परियोजना बनाई।

→ इसकी प्रेरणा हमें आनन्दम प्रोजेक्ट के तहत डॉ. एस. एल. नामा सर से मिली। इस कार्य को करने में 5-7 दिन लगे।

2. आभार → इस प्रोजेक्ट को पूरा करने मे हमारे विश्वविद्यालय के डॉ. एस. एल नामा सर का अहम योगदान रहा अतः हम सभी प्रत्यक्ष रूप से उनका आभार व्यक्त करते हैं इसी क्रम में मेरे सभी साथीगणों का भी अहम योगदान रहा है। हम हमारे परियोजना का भी आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने हमें आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर अपना योगदान दिया जिसके फलस्वरूप हम अपनी परियोजना में सफल हो पाये।

3. अध्याय

(i) प्रोजेक्ट का परिचय → आनन्दम उस व्यापक मानसिक स्थितियों की व्याख्या करता है जिसका अनुभव मनुष्य और अन्य जन्तु सकारात्मक, मनोरंजक और तलाश योग्य मानसिक स्थिति के रूप में करते हैं इसने विशिष्ट मानसिक स्थिति जैसे - सुख; मनोरंजन खुशी, परमानंद भी शामिल है।

→ इस प्रेरणा से प्रेरित होकर राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों में आनन्दम कार्यक्रम को प्रारम्भ करने के दिशा - निर्देश दिये गये।

→ इसका उद्देश्य कॉलेज मे विद्यार्थियों को समाज के प्रतियोगदान करने और बदले मे अकादमिक क्रेडिट आर्जित करना है।

→ पूर्व में वर्जित प्रोजेक्ट जिसके अन्तर्गत जरूरतमंद लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक चीजों का वितरण किया।

Designer
Scanned with CamScanner

* कार्य चिन्हित क्षेत्र :- हमारे द्वारा घायल, बिमार, और सड़कों पर रहने वाले जानवरों / पशुओं की देखबाल हेतु और उनके खाने की व्यवस्था हेतु परियोजना बनाई गई और उसपर कार्य किया गया, और उन जगहों की सारनी निम्न प्रकार से है, जहाँ यह कार्य किये गये।

1. पाल रोड़ स्थित, गोपाल कृष्ण गौशाला,
2. जय नारायण व्यास विश्व-विद्यालय, भगत की कोठी,
3. सातानाड़ा, जोधपुर
4. मंडोर, जोधपुर
5. पावटा, जोधपुर

* लक्षित लाभार्थी :- योजना, सेवा और भोजन सभी चिजों का वितरण पशुओं में किया गया जिसमें कुछ बिमार, छोटे, आदि प्रकार के पशु शामिल थे, कुछ पक्षियों को भी भोजन बितरित का कार्य किया गया।

इस तरह से कुछ पशुओं / पक्षियों की भूख मिटाने उनकी सेवा का कार्य सम्पूर्ण किया गया, और रोजाना सड़को के आवारा जानवरों की थोड़ी-थोड़ी समय मिलते ही सेवा का प्रण किया गया, और भविष्य में आगे भी उनके लिये सुविधाएँ, सेवायें देने का निश्चय किया गया।

(ii) प्रोजेक्ट का उद्देश्य :- "जानवरों से प्यार करें वो भी आपसे बहुत प्यार करेंगे" देश में बहुत से जानवर सड़कों पर घूमते हैं, जो कभी भूख से, बिमारी से या किसी प्रकार की दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, और या तो घायल हो जाते हैं, या मर जाते हैं, लेकिन बहुत से उदाहरण ऐसे हैं, जिसमें लोग अपना सम्पूर्ण जिवन पशुओं की सेवा, आदि में समर्पित कर देते हैं, ताकि जानवरों को दुःख ना भोगना पड़े, इसका एक उदाहरण है लेसली रोबिनसन

Designer
Scanned with CamScanner

जो अपना जीवन जानवरों पर समर्पित कर उनकी सेवा कर रहे हैं। इसी तरह हमारा भी यह उद्देश्य है की इस प्रोजेक्ट के माध्यम से हम जानवरों की जयादा से ज्यादा सेवा कर सकें, और अनेक लोगों को भी इसके लिये प्रेरित करें।

→ हमारे समूह द्वारा निकट के स्थान पर (पाल रोड़) स्थित एक संस्था पर 'विसिट' किया गया जहाँ पर कुछ बिमार गायों की सेवा में मदद की गई।

→ हमने गायों के लिये पर्याप्त चारा खरीद, उनको खिलाया।

→ सभी सदस्यों ने मिलकर सामग्री का प्रबंध कर बिमार गायों के लिये लापसी बनाई गई व उन्हे खिलाई गई।

→ एक बिमार बछड़े की हमारे समूह के सदस्यों द्वारा सेवा की गई, एवम चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

→ हमने भुखे जानवरों को पर्याप्त खाना खिलाया, और प्रण लिया की हम इन्हें हमेशा कुछ ना कुछ तरीके से मदद करते रहेंगें।

→ कुछ पक्षियों को भी भोजन खिलाया गया। और ऐसे ही समय मिलने पर उनकी सेवा का निर्णय लिया।

→ हमनें जानवरों व पक्षियों के लिये पानी पिने के बर्तन की व्यवस्था की और उन्हे पर्याप्त जल मिले यह सुनिश्चित किया।

→ जानवर/पशु/पक्षि बोल तो नही सकते लेकिन उनमें भी संवेदनायें होती हैं, जो हम लोगों ने उनके चहरों पर महसूस की जब उन्हे पर्याप्त सुविधा मिली। कुछ हद तक हम उन्हे खुश रखने में सफल रहे और ये प्रोजेक्ट भी सफल रहा।

(iii) अपनायी जाने वाली प्रक्रिया/पद्धति :-

→ 9 प्रतिभागियों में से २-२, ३-३ के समूह बनाये गये तथा परियोजना को सफल बनाया गया।

→ इसके अन्तर्गत २ प्रतिभागियों ने चारे का प्रबन्ध कर वितरण किया,

Designer

Scanned with CamScanner

3 प्रतिभागियों ने लापसी के लिये सामग्री का प्रबंध किया, २ प्रतिभागियों ने पानी के बर्तन का प्रबन्ध किया, और खाने की चिज्जों का प्रबन्ध कर वितरण किया गया।

→ इस दौरान निम्न दिशा-निर्देशों की भी पालना की गई।

→ सबने अपने काम को बखूबी से किया।

→ कोरोना प्रोटोकोल को ध्यान में रखते हुए मास्क का प्रयोग किया गया।

→ सभी कार्यों को करने के बाद हाथों को साबुन से धोकर सैनेटाइज्ज किया गया ताकि, किसी प्रकार की कोई बिमारी ना लग सके किसी को।

→ अलग-अलग समूहों में काम किया गया, ताकि ज्यादा भीड़-भाड़ ना हो।

(iv) गतिविधियाँ और समयावधि :-

→ गायों की सेवा, भोजन का कार्य दिन में किया गया।

→ पशुओं को खाना/भोजन आदि अगले दिन-सुबह के समय किया गया।

→ पशु/पक्षियों के लिये पानी व बर्तन अगले दिन सुबह के समय रखे गये।

→ इस प्रकार विभिन्न प्रकार की गतिविधियां अलग-अलग समयावधि में की गई जिसके कुछ फोटोग्राफ निम्न प्रकार हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

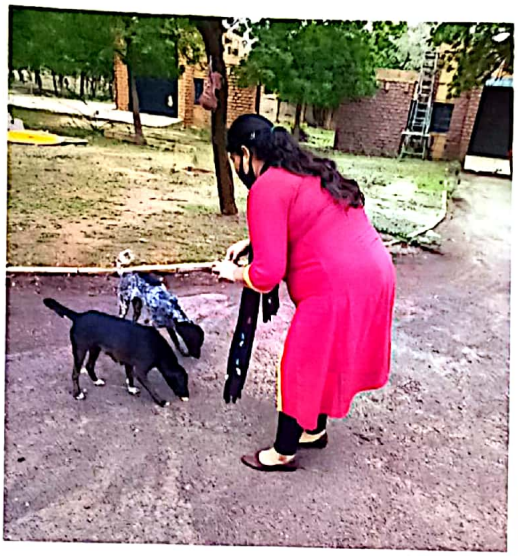

Scanned with CamScanner

Lotus Designer

Scanned with CamScanner

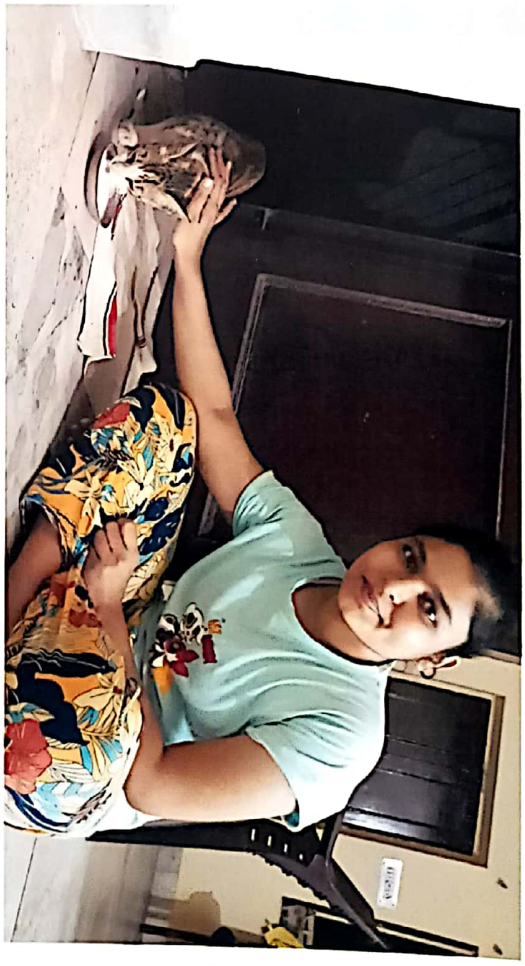

Scanned with CamScanner